राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, शनिवार, 26 अप्रैल 2025

वर्ष 14, अंक 17, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

20 घरों में लगी आग दो करोड़ की संपत्ति जलकर ख़ाक....03

30 अप्रैल तक पाकिस्तान छोड़ दें भारतीय नागरिक, शहबाज सरकार ने दिया अल्टीमेटम...04

सुप्रीम कोर्ट बोला- राहुल को इतिहास-भूगोल नहीं मालूम- सावरकर पर टिप्पणी के लिए फटकार, जज बोले- फ्रीडम फाइटर्स के खिलाफ अनाप-शनाप न बोलें

स्वतंत्र प्रभात

सुप्रीम कोर्ट ने वीर सावरकर पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर शुक्रवार को कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि हम स्वतंत्रता सेनानियों के खिलाफ किसी को अनाप-शनाप बोलने की इजाजत नहीं दे सकते। उन्होंने हमें आजादी दिलाई और हम उनके साथ क्या व्यवहार कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर आप आगे से ऐसा कोई बयान देंगे तो हम स्वत- संज्ञान लेकर कार्रवाई करेंगे। स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में गैर-जिम्मेदाराना बयान मत दीजिए। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने सावरकर पर टिप्पणी के मामले में राहुल के खिलाफ ट्रायल कोर्ट के समन पर रोक लगा दी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 4 अप्रैल को समन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। इसके बाद राहुल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने राहुल की याचिका पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई शुरू होते ही जस्टिस दत्ता ने राहुल की टिप्पणी पर आपत्ति जताई, जिसमें उन्होंने सावरकर को अंग्रेजों का नौकर कहा था। जस्टिस दत्ता ने पूछा कि क्या महात्मा गांधी को अंग्रेजों का नौकर कहा जा सकता है, क्योंकि उन्होंने भी वायसराय को लिखी अपनी चिट्ठियों में 'आपका वफादार सेवक 'शब्द का इस्तेमाल किया था।

दत्ता ने राहुल के वकील एएम सिंघवी से पूछा, 'क्या आपके मुवक्किल को पता है कि उनकी दादी इंदिरा गांधी जब प्रधानमंत्री थीं, तो उन्होंने भी स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर की तारीफ करते हुए एक चिट्ठी भेजी थी। जब आपको भारत के इतिहास या भूगोल के बारे में कुछ भी पता नहीं है, तो आप हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के साथ इस तरह का व्यवहार नहीं कर सकते।'

राहुल ने अंग्रेजों को लिखी सावरकर की चिट्ठी दिखाई थी

दरअसल, महाराष्ट्र के अकोला जिले में 17 नवंबर, 2022 में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने एक रैली में सावरकर को लेकर टिप्पणी की थी। उन्होंने मीडिया के सामने एक चिट्ठी दिखाते हुए कहा था कि यह चिट?ठी सावरकर ने अंग्रेजों को लिखी थी। इसमें उन्होंने खुद को अंग्रेजों का नौकर बने रहने की बात कही थी। साथ ही डरकर माफी भी मांगी थी। गांधी-नेहरू ने ऐसा नहीं किया, इसलिए वे सालों तक जेल में रहे। राहुल ने कहा, 'गांधी, नेहरू और पटेल सालों जेल में रहे और कोई चिट्ठी नहीं साइन की। सावरकर जी ने इस कागज पर साइन किया, उसका कारण डर था। अगर डरते नहीं तो कभी साइन नहीं करते। सावरकर ने जब साइन किया तो हिंदुस्तान के गांधी, पटेल को धोखा दिया था। उन लोगों से भी कहा कि गांधी और पटेल भी साइन कर दें।'2023 में राहुल के खिलाफ एडवोकेट ने शिकायत दर्ज कराई 14 जून, 2023 को लखनऊ के रहने वाले एडवोकेट नृपेंद्र पांडे ने एडिशनल C J M की अदालत में राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का केस दर्ज कराया था। अपनी शिकायत में पांडे ने आरोप लगाया कि राहुल ने अकोला में वीर सावरकर को 'अंग्रेजों का नौकर' और 'पेंशनभोगी' कहा था।

उन्होंने दावा किया कि प्रेस कॉन्फ्रेंस का एक न्यूज चैनल पर सीधा प्रसारण किया गया था। प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल पत्रकारों के बीच पहले से तैयार प्रेस नोट भी बांटे गए थे। पांडे ने राहुल गांधी पर समाज में नफरत और अशांति फैलाने के इरादे से यह बयान देने का आरोप लगाया था। सुप्रीम कोर्ट से यूपी सरकार, शिकायतकर्ता को नोटिस ट्रायल कोर्ट ने पिछले साल दिसंबर में राहुल गांधी को समन भेजा था। कोर्ट ने कहा था कि कांग्रेस सांसद ने अपने भाषण के जरिए समाज में नफरत और दुर्भावना फैलाई है। उन पर भारतीय दंड संहिता (IPC) की धारा 153 ए (शत्रुता को बढ़ावा देना) और 505 (सार्वजनिक शरारत) के तहत आरोप हैं। ट्रायल कोर्ट ने मार्च, 2025 में कोर्ट में पेश नहीं होने के कारण राहुल गांधी पर 200 रुपए का जुर्माना भी लगाया था। अब सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार और शिकायतकर्ता नृपेंद्र पांडे को नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई 8 हफ्ते के बाद होगी।

अशरफ की पत्नी जैनब रूबी ने कुर्की और वारंट के खिलाफ हाईकोर्ट में लगाई गुहार!

स्वतंत्र प्रभात

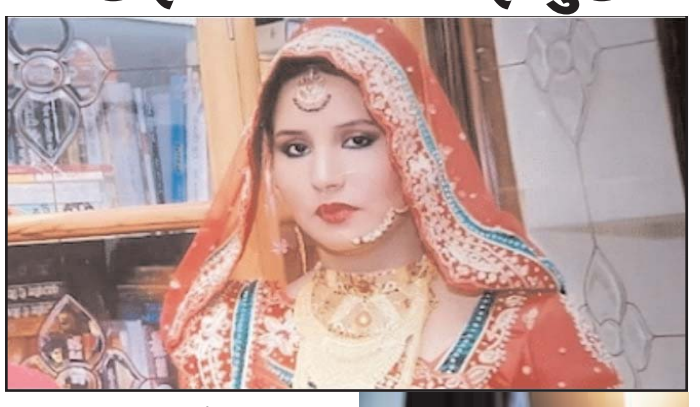

प्रयागराज। उमेश पाल व उनके दो गनर की हत्या के मामले में फरार चल रही खालिद अजीम उर्फ अशरफ की पत्नी जैनब उर्फ रूबी ने फिर हाईकोर्ट में गुहार लगाई है। उसने खुद के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी करने और कुर्की की कार्रवाई क त्रुटिपूर्ण बताते हुए कोर्ट में चुनौती दी है। जैनब 25 हजार की इनामी है और उसकी तलाश में पुलिस कई जनपदों की खाक छान चुकी है। उसने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 528 के तहत उपरोक्त कार्रवाई को रद्द करने की मांग करते हुए अर्जी दाखिल की है। 15 अप्रैल को यह अर्जी दाखिल की गई है जिसमें अभी सुनवाई की तिथि तय नहीं है। 24 फरवरी 2023 को हुए इस हत्याकांड में जैनब का नाम विवेचना के दौरान प्रकाश में आया था।

मुकदमे में आरोपी बनाए जाने की भनक लगते ही वह फरार हो गई और फिर उसका कुछ पता नहीं चला। लगभग पांच महीनों तक तलाश के बाद भी कुछ पता नहीं चलने पर 20 जुलाई 2023 को पुलिस ने अर्जी देकर उसका गैर जमानती वारंट जारी कराया। 26 जुलाई 2023 को उसके खिलाफ कुर्की की कार्रवाई का नोटिस (सीआरपीसी 82 के तहत) जारी किया गया। 82 की कार्रवाई के बाद भी हाजिर नहीं होने पर 19 अक्तूबर 2023 को कुर्की(सीआरपीसी 83 के तहत) का आदेश जारी हुआ जिस पर पुलिस ने उसके मकान को कुर्क किया।

अग्रिम जमानत, एफआईआर रद्द करने की याचिका हो चुकी है खारिज।

जैनब की ओर से इससे पूर्व अग्रिम जमानत व एफआईआर रद्द करने की मांग को लेकर भी याचिका दाखिल की जा चुकी है। हालांकि दोनों ही मामलों में उसे कोई राहत नहीं मिल सकी थी। अब उसने कोर्ट में अर्जी देकर अपने खिलाफ हुई कार्रवाई को चुनौती दी है।

छह फरार इनामियों से एक, दो साल से दे रहे चकमा

जैनब उमेश पाल हत्याकांड में से एक है। इस हत्याकांड में उर चल रहे छह इनामी आरोपियों में भी व माफिया अतीक की पत्नी शाइस्ता व ननद आयशा नूरी भी वांछित हैं। जैनब वआयशा पर 25-25 हजार जबकि शाइस्ता पर 50 हजार का इनाम घोषित है। इन तीनों के अलावा पांच-पांच लाख के तीन इनामी गुड्डू मुस्लिम, साबिर व अरमान भी दो साल से ज्यादा समय से फरार हैं।

50 करोड़ की वक्फ संपत्ति कब्जाने-बेचने में भी आरोपी

जैनब उमेश पाल हत्याकांड के अलावा 50 करोड़ की वक्फ संपत्ति बेचने के मामले में भी आरोपी है। आरोप है कि पूरामुफ्ती के अकबरपुर स्थित वक्फ की संपत्ति को उसने अपने भाइयों जैद मास्टर, सद्दाम के अलावा मुतवल्ली असियम, उसकी पत्नी जिन्नत, शिबली समेत अन्य की मदद से अवैध रूप से कब्जा किया और कुछ को बेच भी दिया। इस मामले में उसके खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल हो चुकी है। वक्फ की इसी जमीन पर बने उसके आलीशान मकान पर पीडीए ने बुल्डोजर भी चलाया था।

एक आरोपी की अपील पर सुनवाई आज

उमेश पाल हत्याकांड के एक अन्य आरोपी इकबाल अहमद उर्फ मो. सजर की क्रिमिनल अपील पर हाईकोर्ट में बृहस्पतिवार को सुनवाई होनी है। मुकदमे की वादिनी जया पाल के अधिवक्ता प्रवीन कुमार पांडेय की ओर से यह जानकारी दी गई। उन 15 आरोपियों में शामिल है, जिनके खिलाफ चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है। पुलिस का आरोप है कि वारदात के मुख्य शूटर असद ने घटना से पहले जयंतीपुर निवासी सजर को आईफोन दिया था। जो फेसटाइम एप के जरिए घटना वाले दिन उमेश पाल के कचहरी से निकलने के बाद से उनकी लोकेशन शूटरों से साझा कर रहा था।

संक्षिप्त ख़बरें

जंगली बिल्ली के बच्चों को समझा बाघ का शव, गन्ने के खेत में मिले दो बच्चे वन विभाग की टीम बुलाई

सीतापुर जनपद सीतापुर में थाना इमलिया सुल्तानपुर के अटरिया कीरतपुर में एक अजीब घटना सामने आई गन्ने की कटाई के दौरान दो जंगली बिल्ली के बच्चे मिले ग्रामीणों ने इन्हें बाघ का शावक समझ लिया किसान निर्दोष यादव के खेत में गन्ना छीलने के दौरान ये बच्चे दिखाई दिए मौजूद लोगों ने इन्हें पकड़ लिया बच्चों का रंग-रूप बाघ जैसा होने के कारण ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी वन दारोगा गुरुनरायन यादव मौके पर पहुंचे और बच्चों को देखकर उन्हें वापस गन्ने के खेत में छोड़ दिया उन्होंने बताया कि बच्चों की फोटो उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी इससे उनकी प्रजाति की पुष्टि होगी। ग्रामीणों का कहना है कि इससे पहले इलाके में बाघ के पग चिन्ह मिले थे रोजहा, ढोलई और फरकंपुर में भी बाघ देखा गया है अटरिया गांव इन्हीं गांवों के पास है हालांकि, वन रेंजर हरगांव बीनू पाल ने स्पष्ट किया कि ये बच्चे सामान्य बिल्ली प्रजाति के हैं उन्होंने बताया कि अटरिया के आसपास बाघ की कोई गतिविधि नहीं देखी गई है सुरक्षा के लिए दो वन कर्मियों को मौके पर तैनात किया गया है!!

नवजात बालिकाओ की मृत्यु के प्रकरण में 08 मई तक प्रस्तुत करें कथन एवं साक्ष्य

प्रयागराज। नगर मजिस्टेऊट विनोद कुमार सिंह ने बताया है कि राजकीय बाल गृह (शिशु), प्रयागराज में आवासित नवजात बालिकायें वन्दना, सरस्वती, दीपिका व गौरी की चिकित्सालय में हुयी मृत्यु के प्रकरण में जिलाधिकारी महोदय के द्वारा मुझे मजिस्ट्रियल जांच हेतु नामित किया गया है, जिसके अनुपालन में कथन/साक्ष्य/प्रस्तुत करने हेतु दिनांक 11.02.2025 नियत की गयी थी, परंतु कोई कथन/साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है। इस कारण पुनः कथन/साक्ष्य प्रस्तुत करने हेतु अंतिम अवसर दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उक्त प्रकरण के सम्बंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई कथन एवं साक्ष्य प्रस्तुत करना हो, तो वह मेरे कलेक्टेऊट स्थित कार्यालय/न्यायालय में दिनांक 08 मई, 2025 तक कार्यालय अवधि में प्रातः 10:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक अपना कथन

आजादी के बाद पहलीवार चली रेल ऐतिहासिक क्षण में षामिल लोग हुए विभोर

● महिलाओं ने उतारी आरती लगाया कुमकुम

स्वतंत्र प्रभात

बिहार सुपौल, त्रिवेणीगंज, आजादी के बाद पहली बार पिपरा से सहरसा भाया सुपौल ट्रेन सेवा को धरातल पर उतरता देख इलाके के लोगों में जबरदस्त खुशी देखी गई. कई लोग इस ऐतिहासिक यादगार पल का गवाह बनने के लिए सहरसा तक ट्रेन से सफर के लिए बुकिंग काउंटर से टिकट लेकर उत्साहित थे और सेल्फी फोटो भी खिंचवा रहे थे. काउंटर पर खड़े 70 वर्षीय बुजुर्ग जोगेंद्र मंडल ने बताया यह मेरे लिए ऐतिहासिक पल है और मैं ट्रेन से सफर कर सुपौल जा रहा हूं

सांसद मंत्री के प्रयास की सराहना

वहीं त्रिवेणीगंज से इसऐतिहासिक पल के गवाह बनने के लिए पहुंचे मनजीत कुमार ने बताया मात्र दो वर्ष में ही ट्रेन परिचालन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ,रेलमंत्री अश्वनी बेशनव के साथ बिहार सरकार के मंत्री बिजेंद्र यादव को धन्यवाद के पात्र हैं।वहीं खड़े रंजीत मंडल ने कहा कि जब रेलवे का कार्य शुरू हुआ था तब अंदाजा नहीं था कि यहां के वासी इतनी जल्दी ट्रेन का सेवा ले पाएंगे स्थानीय सांसद दिलेश्वर कामैत के प्रयास से यह सपना साकार हो गया पिपरा के लोगों के लिए एक ऐतिहासिक और बहुप्रतीक्षित दिन आ गया है. वर्षों से जिस ट्रेन सेवा का इंतजार किया जा रहा था, वह अब साकार हो गई है.

लोगों में उत्साह और खुशी की लहर

सुपौल से पिपरा के बीच ट्रेन सेवा की शुरुआत गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से मधुबनी से हरी झंडी दिखाकर की तो मौके पर क्षेत्र के लोगों में उत्साह और खुशी की लहर दौड़ गई. यह ट्रेन सेवा न केवल इलाके के लिए एक बड़ी राहत लेकर आई है, बल्कि यह क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को भी नई गति देगी. प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि यह परियोजना पूर्वी भारत के विकास की दिशा में एक मजबूत कदम है. उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि यह रेल मार्ग न केवल यात्रा को सुगम बनाएगा, बल्कि व्यवसाय और रोजगार के नए अवसर भी खोलेगा

रेल मंत्रालय और राज्य सरकार के समन्वय से यह परियोजना समय पर पूरी हुई, जो बिहार के लिए एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है.अब सुपौल से पिपरा तक का सफर आसान, सुलभ और समयबद्ध हो गया है. यह सेवा आम जनता को समर्पित है और आने वाले समय में इस मार्ग पर यात्रियों की संख्या में भारी बढ़ोतरी की उम्मीद है।महिलाओं ने इसमौके आरती उतारकर स्वागत पहली ट्रेन का स्वागत किया

राजस्व विभाग की सांठगांठ - भू-माफिया नजूल की जमीन को खुर्द-बुर्द करने में जुटे

● औरंगाबाद क्षेत्र में कचहरी रोड पर स्थित जमीन पर क्षेत्रीय राजस्व निरीक्षक और तहसीलदार के संरक्षण में बडा मोटा खेल

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा- सदर तहसील के अंतर्गत गांव औरंगाबाद में कचहरी रोड पर जमीन को खुर्द-बुर्द करने के लिए लगे हुए हैं - सूत्रों के अनुसार के थाना सदर बाजार के इलाके में लेखपाल ,क्षेत्रीय राजस्व निरीक्षक और अपर तहसीलदार तहसील सदर मथुरा को बड़ी मोती रकम मिलने के कारण मथुरा के बाहर के भू- माफिया फर्जी दस्तावेज तैयार कर उसे जमीन को बड़े मुनाफा के साथ बचने के लिए तैयार है यह जमीन नजूल की जमीन है जिस पर सरकारी कब्जा नहीं होने के कारण भू माफियाओं की नजर पड़ी है फिर उसे ठिकाने लगाने की जुगत लग गए हैं इस जमीन को कब्जाने के लिए तैयारी पूर्ण हो चुकी है क्योंकि इलाका पुलिस भी मिल चुकी है एक बड़ी रकम राजस्व टीम और संबंधित विभाग के सभी अधिकारियों पर खर्च की जा चुकी है इस मामले में कोई अधिकारी बोलने को तैयार नहीं है।

आंगनबाड़ी भर्ती में भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदर्शन, अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

स्वतंत्र प्रभात ब्यूरो।

सीतापुर जिले में आंगनबाड़ी भर्ती प्रक्रिया में धांधली और भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर महिला अभ्यर्थियों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है गुरुवार की दोपहर डीएम कार्यालय परिसर के सामने बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने नारेबाजी करते हुए धरना प्रदर्शन किया गौरतलब है कि एक सप्ताह पूर्व विकास भवन स्थित धरना स्थल पर हुए प्रदर्शन के बाद अधिकारियों ने एक सप्ताह में जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया था लेकिन समयसीमा बीत जाने के बाद भी कोई ठोस कदम न उठाए जाने से नाराज महिला अभ्यर्थियों ने दोबारा मोर्चा खोल दिया। प्रदर्शन कर रहीं अभ्यर्थियों ने एडीएम (राजस्व) को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की कि आंगनबाड़ी भर्ती में शामिल भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए उन्होंने डीपीओ (जिला कार्यक्रम अधिकारी) समेत कई सीडीपीओ (बाल विकास परियोजना अधिकारी) को हटाने की मांग की अभ्यर्थियों ने दावा किया कि भर्ती प्रक्रिया में रिश्वत की मांग और अनियमितताओं के कई ऑडियो सामने आए हैं जिनकी जांच कर दोषियों को दंडित किया जाए एडीएम ने ज्ञापन प्राप्त करते हुए उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। वहीं, जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने अब तक इस मामले में फर्जी आय प्रमाण पत्र बनाने में संलिप्त 10 लेखपालों के विरुद्ध कार्रवाई की है जिससे प्रशासन की ओर से मामले को गंभीरता से लेने का संकेत मिला है महिला अभ्यर्थियों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र न्याय नहीं मिला तो वे आंदोलन को और तेज करेंगी और जल्द ही वह एक सप्ताह बाद सीएम कार्यालय पैदल ही कुछ करेंगी जिले में यह मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है और प्रशासन पर दबाव बढ़ता जा रहा है कि वह निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करे!!

मिड डे मील में घोटाला- चार सौ ग्राम पाउडर दूध में 70 बच्चों को दिया जा रहा है खीर

● ग्राम प्रधान और ग्रामीणों ने लगाए गंभीर आरोप, शिक्षा विभाग बेपरवाह

स्वतंत्र प्रभात ब्यूरो।

जौनपुर करंजाकला विकासखंड स्थित प्राथमिक विद्यालय मंगदपुर में मिड डे मील योजना के नाम पर खुलेआम भ्रष्टाचार का खेल चल रहा है। विद्यालय में पढ़ रहे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण भोजन देने की बजाय उन्हें खाना के नाम पर छलावा दिया जा रहा है। बच्चों के अभिभावकों और ग्राम प्रधान ने विद्यालय प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि बच्चों को न समय से भोजन मिल रहा है और न ही निर्धारित पोषण सामग्री। प्रधान राज कुमार सोनकर ने आरोप लगाया कि विद्यालय में बच्चों को जो खीर दी जाती है, उसमें दूध और चीनी की मात्रा इतनी कम होती है कि उसका स्वाद भी खीर जैसा नहीं होता। दाल में पानी इतना अधिक होता है कि वह केवल चावल के ऊपर गिरा चावल का पानी लगती है। यहां तक कि खीर बनाने के लिए मात्र चार सौ ग्राम के पाउच से 70 बच्चों में बाँट दिया जाता है, जिससे पोषण का कोई लाभ बच्चों को नहीं मिल पाता। बच्चों ने बताया कि जब वे खाना माँगते हैं तो रसोई में कार्यरत महिलाएं उन्हें डांट देती हैं और कहती हैं कि खाना खत्म हो गया। दूसरी बार खाना माँगना यहाँ जैसे गुनाह बन चुका है। मौसमी फल की बात करें तो महीने में केवल एक बार एक केला या फिर दो-तीन अंगूर ही बच्चों को थमा दिए जाते हैं, जिससे मिड डे मील योजना की वास्तविक मंशा ही कुचल दी गई है। जब इन गंभीर आरोपों की जानकारी परिजनों ने ग्राम प्रधान को दी, तो ग्राम प्रधान स्वयं विद्यालय पहुँचकर स्थिति का जायज़ा लेने पहुँचे। प्रधानाध्यापक से जब उन्होंने बच्चों के भोजन और पोषण की व्यवस्था की जानकारी माँगी, तो प्रधानाध्यापक ने न केवल जवाब देने से इनकार किया बल्कि दबंगई पर उतर आए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, ÷आप जहाँ चाहें शिकायत कर लें, कोई मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकता। अधिकारी भी

मेरा कुछ नहीं कर पाएंगे।"

प्रधान ने बताया कि उन्होंने तत्काल खंड शिक्षा अधिकारी श्रवण कुमार से इस विषय में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन हैरानी की बात है कि अब तक कोई जांच या कार्रवाई नहीं हुई। इससे साफ जाहिर होता है कि शिक्षा विभाग भी इस भ्रष्टाचार में या तो आंख मूंदे बैठा है या कहीं न कहीं से संरक्षण मिल रहा है।

शिक्षा विभाग की लापरवाही और विद्यालय प्रशासन की मनमानी के चलते मिड डे मील योजना की साख पर सवाल खड़े हो गए हैं। जहां यह योजना बच्चों के पोषण और उनके बेहतर स्वास्थ्य के लिए चलाई जाती है, वहीं मंगदपुर विद्यालय में यह योजना बच्चों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ का माध्यम बन चुकी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही इस मामले में उच्चस्तरीय जांच कर कार्रवाई नहीं की गई तो वे सामूहिक रूप से जिला अधिकारी और मुख्यमंत्री तक अपनी बात पहुँचाएंगे। यह मामला सिर्फ विद्यालय स्तर तक सीमित नहीं है, यह बच्चों के भविष्य और स्वास्थ्य से जुड़ा सवाल है, जिसे अनदेखा करना समाज और सरकार दोनों के लिए गंभीर परिणाम लेकर आ सकता है।

खंड शिक्षा अधिकारी करंजाकला

श्रवण कुमार से संपर्क किया तो उन्होंने कहा कि मैं मीडिया से बात नहीं करूंगा। आप हमारे उच्च अधिकारी से बात कीजिए

पहलगाम - हमला पाकिस्तान प्रायोजित लेकिन क्या केंद्र सरकार की नाकामी कुछ कम है?

नोटबंदी के बाद मोदी सरकार का दावा था कि आतंकवाद की कमर तोड़ दी गई है। संविधान के अनुच्छेद-370 को खत्म करते हुए दूसरा दावा था कि आतंकवाद की जड़ को खत्म कर दिया गया है। संसद में इस सरकार ने बार बार अपनी पीठ ठोंकी है कि कश्मीर घाटी में सब ठीक है, आतंकवाद कांग्रेस के जमाने की चीज रह गई है। कल पहलगाम में पर्यटकों पर हुए हमले ने साबित कर दिया कि जम्मू कश्मीर में न आतंकवाद की जड़ खुदी है और न कमर टूटी है। कुछ ही दिनों पहले पाकिस्तान ने आरोप लगाया था कि बलूचिस्तान में ट्रेन पर हुए हमले में भारत का हाथ है। भारत और पाकिस्तान की सरकारों के बीच ऐसे आरोप-प्रत्यारोप चलते रहते हैं। लेकिन क्या यह बात मानी जा सकती है कि केवल पाकिस्तान ही भारत पर आतंकी हमला करता रहता है और पाकिस्तान के अंदर भारत कोई गड़बड़ी नहीं करता? हो सकता है कि ये आतंकी हमला इसी की प्रतिक्रिया हो। यदि न भी हो, तो भी इस हमले के पाकिस्तान प्रायोजित होने में किसी को कोई संदेह नहीं है। सवाल सिर्फ यही है कि यदि पहलगाम हमले में पाकिस्तान का हाथ है, तो भारत सरकार की आंख और कान (इंटेलीजेंस) कहां थी, क्या कर रही थी? जैसी कि खबरें छनकर आ रही है कि ऐसी अनहोनी होने की भनक इंटेलीजेंस को थी, उसका सक्रिय न होना या निष्क्रियता की हद तक जाकर ऐसी सूचनाओं को नजरअंदाज करना हमारी इंटेलीजेंस की सक्षमता पर और बड़े सवाल खड़े करता है। इतना ही बड़ा सवाल खड़ा होता है कश्मीर मामले को डील करने में केंद्र सरकार की नीतियों की विफलता पर। पिछले 12 सालों में कम-से-कम 6 बड़े हमले हुए हैं, जिनमें कम-से-कम 95 लोगों की जान गई है। पिछला हमला तो पिछले साल जून में ही हुआ था। भाजपा सरकार लोगों को सुरक्षा देने में और हमलावरों को पकड़ने में बार-बार फेल हुई है।

संविधान के अनुच्छेद-370 को हटाने और जम्मू-कश्मीर से राज्य का दर्जा छीन लेने के बाद इस राज्य की सुरक्षा व्यवस्था के मामले में राज्य सरकार और विधानसभा की कोई खास भूमिका नहीं है। इस राज्य और यहां के नागरिकों की सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी केंद्र सरकार और उसके अधीनस्थ गृह मंत्रालय और केंद्रीय सुरक्षा बलों की और इस प्रदेश के उपराज्यपाल की है। इसलिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को इस घटना की और इससे निपटने में सरकार की नाकामी की पूरी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। इस समय इस केंद्र शासित प्रदेश की आबादी लगभग 1.4 करोड़ होगी। पुलिस, अर्ध सैनिक बलों और सैन्य बलों को मिलाकर 4 लाख से ज्यादा जवान यहां तैनात है, यानी हर 35 नागरिक पर एक जवान। इतने सघन सशस्त्रीकरण के बावजूद, किश्तवाड़ जंगल के रास्ते से हमलावरों का आना, पर्यटकों पर 15 मिनट तक अंधाधुंध गोलीबारी करके 27 लोगों की हत्या कर देना आश्चर्य की बात है। लेकिन इससे ज्यादा आश्चर्य इस बात पर है कि इतने संवेदनशील क्षेत्र में भी इस हमले के समय पुलिस या सुरक्षा बल का कोई जवान तक तैनात नहीं था, जो हमलावर आतंकवादियों पर गोली चलाता। यही कारण है कि सुरक्षा बलों की ओर से एक भी गोली नहीं चली और न ही हमले के तत्काल बाद पीड़ितों को कोई मेडिकल सुविधा मिली। इसके कारण होने वाली मौतों की संख्या बढ़ गई। देश के किसी भी हिस्से में लोगों के जान-माल की रक्षा की जिम्मेदारी से सरकार मुकर नहीं सकती। फिर यह हमला केंद्र की मोदी सरकार की असफलता नहीं, तो और क्या मानी जाएगी?

पाकिस्तान प्रायोजित इस हमले की जितनी निंदा की जाए, कम है, लेकिन इतना ही यह भी साफ है कि कश्मीर के मामले में इंटेलीजेंस की चौकसी और भारत सरकार की नीतियां बार-बार फेल हुई है। हमले के तुरंत बाद गोदी मीडिया और संघी गिरोह का यह प्रचार भी अब पूरी तरह से झूठा साबित हो गया है कि पर्यटकों से उनका धर्म पूछ-पूछकर हिंदुओं को गोलियां मारी गई है। साफ है कि इस घटना की आड़ में भाजपा और संघी गिरोह 'हिंदू-मुस्लिम' और 'भारत-पाकिस्तान' के नाम पर नफरत की राजनीति करने और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण करने के खेल में लग गया है, ताकि बिहार और कुछ राज्यों के होने वाले चुनावों में फायदा उठा सकें। अब यह संभव है कि मुस्लिम विरोधी सांप्रदायिक भावना और पाकिस्तान विरोधी राष्ट्रवादी भावना उभारने के लिहाज से मोदी सरकार कोई 'सर्जिकल स्ट्राइक' भी कर दें।

इस आतंकी हमले में केवल हिन्दू ही नहीं, एक मुस्लिम भी, जिनका नाम सैयद हुसैन शाह है, और कुछ विदेशी पर्यटक भी मारे गए हैं। हमले के बाद पीड़ितों की सेवा में कश्मीर का मुस्लिम समुदाय जिस एकजुटता के साथ सामने आया, वह अभूतपूर्व है। सोशल मीडिया में एक स्टोरी तैर रही है कि छत्तीसगढ़ के चिरमिरी के 11 लोगों को किस तरह एक स्थानीय मुस्लिम कपड़ा व्यापारी नजाकत अली ने बचाया है। इस हमले में कर्नाटक से आए पर्यटक मंजूनाथ भी मारे गए हैं। हमले में जीवित बची उनकी पत्नी पल्लवी के इस वक्तव्य को भी नोट करने की जरूरत है -- ÷उस दहशत और लाचारी के पल में तीन कश्मीरी युवक आए और हमें बचाया। हमारी मदद करते हुए वे बिस्मिल्लाह, बिस्मिल्लाह कहते रहे। उन्होंने हमें सुरक्षित जगह पर पहुंचाया। मैं आज उन्हीं की वजह से ज़िंदा हूं। वे अब अजनबी नहीं रहे -- वे मेरे भाई हैं।÷ इस तरह की दसियों स्टोरी अभी और सामने आएंगी। यही हिंदू-मुस्लिम एकता की सिल्वर लाइन है, जो न आतंकियों की गोलियों से मिटने वाली है और न संघी गिरोह की नफरत फैलाने वाली सांप्रदायिक राजनीति से। कश्मीर की असली ताकत यही है।

यह बात आईने की तरह साफ है कि इस हमले से कश्मीर के पर्यटन उद्योग का बहुत नुकसान होने जा रहा है। लेकिन इन हमलों के पीछे जो लोग हैं, वे कश्मीर के लोग तो नहीं ही हैं, क्योंकि कोई अपनी रोजी रोटी और आजीविका पर लात नहीं मारता। असली दुश्मन तो वे लोग हैं, जो विभाजन, हिंसा और नफ़रत की राजनीति से फ़ायदा उठाते हैं। इस कत्लेआम के विरोध में कश्मीर घाटी बंद रही। इस बंद के समर्थन में सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस, अपनी पार्टी और माकपा सहित घाटी की लगभग सभी राजनैतिक धाराएं साथ आई। कई सामाजिक-धार्मिक और व्यापारिक संगठनों और नागरिक समाज के विभिन्न तबकों ने इस आतंकी हमले की खुलकर खिलाफत की है और बंद का समर्थन किया है। घाटी में कई जगहों पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन भी हुए, जिसमें प्रदर्शनकारियों ने हमले की निंदा की है। आतंकी हमले का ऐसा एकजुट विरोध पिछले 35 साल में पहली बार देखने को मिल रहा है। घाटी में बंद की सफलता से हिंदुओं और मुस्लिमों के बीच दरार डालने की आतंकी कोशिशें नाकाम साबित हुई है। यह कश्मीर के सुखद भविष्य का संकेत है। कश्मीर के मामले में संवेदनशील सैन्य सूचनाएं पाकिस्तान तक पहुंचाने के आरोप में जो लोग पकड़े गए हैं, उनमें से कई संघी गिरोह से ही जुड़े हुए हैं। अभी तक गिरफ्तार लोगों में न कोई मुस्लिम है, न ईसाई, और न ही कोई सिख या बौद्ध। मनोज मंडल (मध्यप्रदेश), ध्रुव सक्सेना (बिहार), राजीव शर्मा -- इनमें से ऐसे ही कुछ नाम हैं, जिनके भाजपा से संबंध जगजाहिर थे। मध्यप्रदेश में तो थोक के भाव में आरएसएस के 11 कार्यकर्ता, जिनमें एक भाजपा पार्षद भी शामिल था, जासूसी के आरोप में गिरफ्तार हुए हैं। इसलिए यह बात जोरदार ढंग से कही जा सकती है कि भाजपा-संघ का राष्ट्रवाद छद्म-राष्ट्रवाद हैं, जो व्यक्तिगत या राजनीतिक लाभ के लिए आम जनता की देशभक्ति की भावना का शोषण करता है। संघी गिरोह को पहलगाम के आतंकी हमले में छुपे संकेतों को सही अर्थ ग्रहण करना चाहिए। कश्मीर की समस्या एक राजनीतिक समस्या है और इसलिए इसका समाधान भी राजनीतिक ही होगा। कश्मीर की समस्या का जितना संबंध पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से है, उतना ही संबंध भाजपा की नीतियों से भी है। इन नीतियों ने इस राज्य का विखंडन कर उसकी अस्मिता को रौंदने का काम किया है, इन नीतियों ने कश्मीर की कॉरपोरेट लूट के लिए दरवाजे खोले हैं। संविधान के अनुच्छेद 370 को हटाकर कश्मीर की विशेष स्थिति को खत्म करने का मकसद भी यही था। भाजपा की नीतियों ने पूरे देश में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के जरिए जो मुस्लिम विरोधी भावनाएं पनपाई हैं, वह पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को खाद-पानी देने का काम करता है। इसलिए, यदि इस आतंकवाद का मुकाबला करना है, तो हिंदुत्व की राजनीति के साथ कॉरपोरेटों के गठजोड़ को शिकस्त देने के लिए आम जनता को लामबंद करना होगा। कश्मीर के संदर्भ में असली राजनैतिक चुनौती यही है।

आलेख- संजय पराते

पहलगाम नरसंहार देश को आतंक के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई का इंतजार !

पहलगाम में हिन्दू पर्यटकों की धार्मिक पहचान करने के बाद क्रूरता हैवानियत भरी बर्बरता से नृशंस नरसंहार अक्षम्य है। देश भर में इस वारदात को लेकर आक्रोश है यह हिन्दू समाज की सहिष्णुता है कि इतना दिल दहलाने व उत्तेजित करने वाले साजिश भरे कत्लेआम के बावजूद भावनाओं और आक्रोश को जहर का घूंट मानकर सरकार की ओर जबाबी कार्रवाई की टकटकी लगाए है। ऐसे दर्द और आक्रोश भरे माहौल में सरकार को समझना होगा कि सिर्फ मुठठियां तानने दांत भींचने और बयानबाजी करना पर्याप्त नहीं है इस से पहले कि आक्रोश की परिणिति किसी उग्र प्रदर्शन अराजकता अथवा सांप्रदायिक सौहार्द पर भारी बने सरकार को इस क्रूरतम नरसंहार के जिम्मेदार दरिंदों को सबक सिखाना होगा और भविष्य में इस तरह की वारदात न हो इस के लिए सुरक्षा बलों को सजग और सतर्क रखना होगा। जम्मू-कश्मीर के सुंदरतम पर्यटन स्थलों में से एक पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हमला सिर्फ कायरतापूर्ण कृत्य नहीं है, बल्कि यह कश्मीर और कश्मीरियों की आत्मा पर हमला है। इस हमले में आतंकवाद का काफी वीभत्स रूप सामने आया है, जिसका पिछले कुछ महीनों से घाटी में कायम शांति और सौहार्द को गहरा आघात पहुंचा है। देश को झकझोर देने वाली इस आतंकी वारदात ने सिर्फ जम्मू और कश्मीर को नहीं, बल्कि पूरे देश को मातम में डुबो दिया है। इस हमले में देश के विभिन्न हिस्सों से गये 28 निर्दोष लोगों की हत्या की गई है, जबकि दो विदेशी पर्यटक मारे गए हैं। किसी मां की गोद सूनी हो गयी है, तो कोई नवविवाहिता विधवा हो गयी है। आतंकवाद का जैसा रुप इस आतंकी हमले में देखने को मिला है, इसके पहले शायद देखने को नहीं मिला था। आतंकियों ने धर्म पूछकर मारा है। कुछ लोगों से कलमा पढ़ने के लिए कहा गया है और फिर गोली मारी गयी। मासूम बच्चों के सामने ही उनके पिता को मौत का घाट उत्तार दिया गया है, निस्संदेश यह काफी व्यथित करने वाला और हृदयविदारक है, जिसका कल्पना मात्र से ही रूह कांप जाती है। पहलगाम में आम लोगों के नरसंहार की यह घटना 25 साल पहले छत्तीसिंहपुरा नरसंहार की याद ताजा कर रही है। जिस 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरपी) ने पहलगाम नरसंहार की जिम्मेदारी ली है, उसे लश्कर-ए-तैयबा का सहयोगी बताया जा रहा है। जम्मू और कश्मीर में 2024 के आखिर में ही वर्षों के अंतराल के बाद एक लोकतांत्रिक सरकार बनी है, ऐसे समय में यह हमला और भी चिंताजनक है। देखा जाए तो आतंकियों ने काफी सोची-समझी रणनीति के तहत इस हमले के अंजाम दिया है। धर्म पूछकर और मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुरुषों के पैंट उतरवाकर चुन-चुनकर गोलियां मारी, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब के आधिकारिक दौरे पर थे। हाल के वर्षों में सऊदी अरब भारत का अनन्य मित्र बनकर उभरा है और कहा जाता है कि आज की तारीख में इस्लामी दुनिया का यह सबसे बड़ा प्रभावशाली मुल्क है। मतलब, पाकिस्तान ने कश्मीर में खून बहाकर एकसाथ सऊदी अरब से लेकर अन्य मुस्लिम देशों को फिर से यह संदेश देने की कोशिश की है कि कश्मीर के मुसलमानों पर भारत जुल्म ढा रहा है। पहलगाम हमले के लिए ऐसी टाइमिंग चुनी गई है, जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत यात्रा पर आए हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियां अक्सर पाकिस्तान को परेशान करती रही हैं। उनके कार्यकाल में भारत-अमेरिकी दोस्ती में नई मजबूती देखने को मिली है। आतंकवाद को लेकर अमेरिका की मौजूदा सरकार का रुख हमेशा से सख्त रहा है। ऐसे में इस हमले से कहीं न कहीं अमेरिका को भी संदेश देने की कोशिश की गई है कि कश्मीर अभी भी शांत नहीं हुआ है। पिछले हफ्ते ही पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर ने कश्मीर को लेकर बहुत ही भड़?काऊ टिप्पणियां की हैं। माना जा रहा है कि उनके बयान कहीं न कहीं आतंकवादियों के लिए एक संदेश का काम किया है कि जम्मू-कश्मीर को रक्तरंजित करने के लिए यही माकूल वक्त है। आम नागरिकों को निशाना बनाना इन आतंकियों के लिए बेहद आसान रहता है, क्योंकि साधारण से हथियारों का इस्तेमाल करके ये बड़े नरसंहारों को अंजाम दे देते हैं, जिसकी जांच भी आसान नहीं नहीं होती। एक और बात यह है कि देश के कई हिस्सों में नए वक्फ कानून के खिलाफ एक माहौल बनाया गया है। देश के कई और हिस्सों में इस कानून के नाम पर माहौल खराब करने की कोशिश की गई है। ऐसे में देश के दुश्मनों को शायद पहलगाम अटैक के लिए यह सबसे सुविधाजनक वक्त दिखा। क्योंकि, बेगुनाहों की मौतों के खिलाफ देश में जो माहौल तैयार हो रहा है, उसमें भारत-विरोधियों को अपना काम चनने की उम्मीद दिख रही है। लेकिन जो सबसे बड़ा कारण माना जा रहा है, वह पर्यटकों के दिलों में दहशत पैदा करना। दरअसल जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था में पर्यटन की भूमिका जगजाहिर रही है। माना जाता रहा है कि इसी वजह से आतंकवादी संगठन पर्यटन स्थलों का रुख करने वाले लोगों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाते हैं, ताकि वहां पर्यटकों का आना-जाना निर्वाध रहे। अगर देश-दुनिया से वहां घूमने जाने वालों के भीतर डर बैठा, तो वहां की अर्थव्यवस्था पर इसका विपरीत असर पड़ सकता है। लेकिन इस बार पर्यटकों को निशाना बनाकर आतंकियों ने न केवल बाहरी लोगों को डराने, बल्कि वहां की अर्थव्यवस्था की रोड़ पर हमला करने की कोशिश की है। इसके अलावा, जुलाई की शुरुआत में अमरनाथ यात्रा भी शुरू होने वाली है और वहां जाने का रास्ता पहलगाम से होकर गुजरता है। ऐसे में आतंकियों के इस हमले को अमरनाथ यात्रा को प्रभावित करने की कोशिश के तौर पर भी देखा जा रहा है। केंद्र शासित प्रदेश के पर्यटन विभाग के आंकड़ों के अनुसार पिछले पांच वर्षों में सात करोड़ से अधिक भारतीय और विदेशी पर्यटक जम्मू और कश्मीर का दौरा कर चुके हैं। आतंकवाद और संघर्ष से लंबे समय से जूझ रहे इस क्षेत्र के लिए ये आंकड़े प्रगति का संकेत देते हैं। यही कारण है कि स्थिरता और आर्थिक गतिविधि में यह पुनरुत्थान, पाकिस्तानी राज्य सहित अलगाववादी और चरमपंथी ताकतों के लक्ष्यों के सीधे विरोध में है। इसलिए इस हमले के पीछे मंशा न केवल सुरक्षा बलों और सरकार को चुनौती पेश करना, बल्कि बाहरी लोगों को डराना है। इससे उन्हें अपना एक मकसद यह भी पूरा होने की उम्मीद है कि वे स्थानीय और बाहरी लोगों के भीतर खाई पैदा कर सकेंगे। हालांकि इसमें वह कामयाब नहीं होंगे, क्योंकि जम्मू कश्मीर के साथ पूरा देश खड़ा है। लेकिन इस हमले से कई सवाल भी खड़े कर दिया है। पहलगाम में हुआ हालिया आतंकी हमला एक बार फिर यह स्पष्ट कर गया कि घाटी में शांति और सामान्य स्थिति लौटने के दावों में अब भी गहरे सुराख हैं। यह हमला ऐसे समय में हुआ है, जब केंद्र सरकार राज्य में आतंकवाद के खात्मे के दावे कर रही थी। बीते वर्षों में लगातार यह कहा जाता रहा कि आतंकियों की संख्या घट गई है, स्थानीय युवाओं की भर्ती में भारी गिरावट आई है, और आतंकी नेटवर्क लगभग समाप्ति की ओर है। लेकिन यदि यह स्थिति वास्तव में इतनी बेहतर थी, तो पहलगाम जैसे सुरक्षित और संवेदनशील क्षेत्र में आतंकवादी कैसे खुलेआम गोलियां बरसाकर फरार हो गए ? सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों की इतनी मौजूदगी के बावजूद हमले की पूर्व सूचना का न होना, संदिग्ध गतिविधियों की पहचान न कर पाना और हमलावरों का आसानी से भाग निकलना यह दर्शाता है कि हमारी सुरक्षा व्यवस्था अब भी सतही सफलता से ऊपर नहीं उठ सकी है। अब भारत-पाकिस्तान के बीच 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है. साथ ही अटारी चेक पोस्ट को भी बंद कर दिया गया है. तीसरे फैसले में सरकार पाकिस्तान के नागरिकों को SAARC वीजा योजना के तहत भारत नहीं आने देगी. नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा, सैन्य और नौसेना व वायुसेना सलाहकारों को 7 दिन में देश छोड़ने को कहा गया है. वहीं, भारत ने पाकिस्तान में स्थित अपने उच्चायोग से सलाहकारों को बुला लिया है। हालांकि उम्मीद यही है कि इस हमले के बाद सरकार जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद को पूरी तरह से खत्म करने के लिए अंतिम लड़ाई शुरू करेगी, ताकि फिर से किसी निर्दोष की खून कश्मीर के धरती पर न बहे। जरूरत इस बात की है कि सरकार देश के बहुसंख्यक समाज की भावना को समझे और उस विश्वास को कायम करे जिस के लिए उसे देश ने सत्ता सोंपी है।

मनोज कुमार अग्रवाल

संपादकीय

पहलगाम का काला दिन- जब वादियों में बहा लहू

यह शोक नहीं, यह शपथ है- आतंक के विरुद्ध भारत

22 अप्रैल 2025 का सूरज जब पहलगाम की वादियों में उतरा, तो किसी को नहीं पता था कि यह दिन खून से लाल हो जाएगा। हरी-भरी घाटियां, जहां सैलानी प्रकृति के रंगों में खोए थे, अचानक गोलियों की तड़तड़ाहट और चीखों से गूंज उठीं। यह आतंक का वह काला साया था, जो न सिर्फ मासूम जिंदगियों को लील गया, बल्कि हर भारतीय के दिल में गहरी चोट छोड़ गया। यह हमला सिर्फ एक जगह पर नहीं हुआ, यह हमारी एकता, हमारी शांति और हमारी मानवता पर वार था। लेकिन भारत, जिसकी रगों में सहनशीलता और साहस का लहू दौड़ता है, इस दर्द को अपनी ताकत में बदलेगा। यह कहानी सिर्फ शोक की नहीं, बल्कि उस अटल इच्छाशक्ति की है, जो हर तूफान में और मजबूत होती है। उस दोपहर, जब लोग पहलगाम की ठंडी हवाओं में सुकून तलाश रहे थे, आतंकियों ने कायराना साजिश को अंजाम दिया। अंधाधुंध गोलीबारी, चुन-चुनकर किए गए हमले, और धर्म पूछकर मचाया गया कहर–यह सब कुछ मिनटों में एक खुशहाल घाटी को श्मशान में बदल गया। दर्जनों जिंदगियां खत्म हुई–कोई अपने जीवनसाथी के साथ नई शुरुआत करने आया था, कोई परिवार के साथ हंसी-खुशी बांट रहा था, तो कोई अपने बच्चों के सामने आखिरी सांस ले गया। ये सिर्फ आंकड़े नहीं, ये वो कहानियां हैं जो अब कभी पूरी नहीं होंगी। एक मां की गोद सूनी हुई, एक बच्चे का बाप छिन गया, और एक पत्नी का सुहाग उजड़ गया। ये जख्म सिर्फ पहलगाम के नहीं, पूरे हिंदुस्तान के हैं। यह हमला कोई आकस्मिक घटना नहीं थी। यह एक सुनियोजित साजिश थी, जिसके तार सीमा पार की उन ताकतों से जुड़े हैं, जो भारत की शांति और प्रगति को बर्दाश्त नहीं कर सकतीं। आतंकियों ने नकली वर्दियों में घुसपैठ की, रेकी की, और फिर उस जगह को निशाना बनाया जहां लोग सबसे ज्यादा निश्चिंत थे। उनका मकसद था कश्मीर की बढ़ती रौनक को मिटाना, पर्यटन की चमक को धूमिल करना, और भारत की एकता को तोड़ना। लेकिन वे भूल गए कि भारत का दिल इतनी आसानी से नहीं टूटता। यह वही धरती है, जिसने हर आघात को सहा है और हर बार और मजबूत होकर उभरी है। हमले के बाद जो हुआ, वह भारत की ताकत का सबूत है। सुरक्षा बलों ने तुरंत मोर्चा संभाला, घाटी को घेरा, और आतंकियों की तलाश में कोई कोर-कसर बाकी नहीं छोड़ी। सैनिकों, पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने जिस जज्बे से ऑपरेशन चलाया, वह दिखाता है कि भारत की रक्षा करने वाले कभी पीछे नहीं हटते। घुसपैठ की कोशिशें नाकाम की गई, आतंकी ठिकानों पर छापे मारे गए, और खुफिया तंत्र को और तेज किया गया। यह त्वरित कार्रवाई सिर्फ प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि उस रणनीति का हिस्सा है जो आतंक को जड़ से उखाड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार ने भी इस संकट में अपनी जिम्मेदारी निभाई। राहत कार्यों से लेकर घायलों के इलाज तक, और मृतकों के परिजनों को सहायता तक, कदम उठाए गए। लेकिन यह समय सिर्फ सरकारी कदमों की तारीफ करने का नहीं। सवाल उठते हैं–क्या खुफिया तंत्र और सतर्कता में अभी और सख्ती की जरूरत नहीं थी? क्या सीमा पार की साजिशों को पहले नहीं भांपा जा सकता था? ये सवाल इसलिए जरूरी हैं, क्योंकि हर भारतीय का भरोसा सरकार की नीतियों और उनकी अमल में लाने की क्षमता पर टिका है। आतंक के खिलाफ "जीरो टॉलरेंस" की बातें अच्छी हैं, लेकिन असली इम्तिहान तब है जब ऐसी त्रासदियां रोकने की व्यवस्था पहले से तैयार हो। पहलगाम का यह हमला सिर्फ एक जगह पर नहीं, बल्कि कश्मीर की आत्मा पर चोट है। यह वही कश्मीर है, जो पिछले कुछ वर्षों में शांति और समृद्धि की नई राह पर चल पड़ा है। पर्यटकों की बढ़ती भीड़, स्थानीय लोगों की मेहमाननवाजी, और विकास की नई किरणें–यह सब आतंकियों को खटकता है। वे चाहते हैं कि कश्मीर फिर से अंधेरे में डूब जाए। लेकिन कश्मीर के लोग, जो सदियों से हर तूफान में डटकर मुकाबला करते आए हैं, अब चुप नहीं रहेंगे। यह हमला उनकी मेहमाननवाजी और उनकी पहचान पर हमला है, और वे इसे कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस दुख की घड़ी में देश एकजुट होकर खड़ा है। नेताओं, खिलाड़ियों, और आम लोगों ने एक स्वर में इस हमले की निंदा की। सोशल मीडिया पर गुस्सा और दर्द की लहर दौड़ रही है, लेकिन यह गुस्सा सिर्फ शब्दों तक सीमित नहीं। यह उस संकल्प का प्रतीक है, जो कहता है कि भारत आतंक को कुचलकर ही दम लेगा। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी इस हमले की गूंज सुनाई दी, जहां इसे मानवता के खिलाफ अपराध बताया गया। लेकिन सबसे जरूरी है कि हम इस दर्द को राजनीति का हथियार न बनने दें। टीवी डिबेटों की चीख-पुकार और दोषारोपण का खेल उन शहीदों का अपमान है, जिन्होंने अपनी जान गंवाई। हमें चाहिए कि हम एक राष्ट्र के रूप में खड़े हों, न कि बंटे हुए दलों के रूप में। यह समय शोक का है, लेकिन यह समय संकल्प का भी है। सरकार ने राहत और सहायता का भरोसा दिया है, लेकिन असली न्याय तब होगा जब आतंक का हर रास्ता बंद हो। हमें ऐसी व्यवस्था चाहिए, जो आतंक को होने से पहले ही कुचल दे। हमें कश्मीर में शांति और समृद्धि को और मजबूत करना होगा, ताकि आतंक की कोई गुंजाइश न रहे। स्थानीय युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने, पर्यटन को बढ़ावा देने, और सीमा पर सतर्कता बढ़ाने के लिए और ठोस कदम उठाने होंगे। भारत का इतिहास गवाह है कि हमने हर मुश्किल को अपनी ताकत बनाया है। पहलगाम की यह त्रासदी हमें तोड़ने की कोशिश थी, लेकिन यह हमें और मजबूत करेगी। यह आग, जो हमारे सीने में जल रही है, आतंक के हर चेहरे को जलाकर राख कर देगी। हमें विश्वास है कि हमारी एकता, हमारा साहस, और हमारा संकल्प आतंक को जड़ से मिटा देगा। यह उन मासूमों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी, जिन्होंने अपनी जान गंवाई। आज हम शोक में डूबे हैं, लेकिन कल हम और मजबूत होकर उठेंगे। क्योंकि हम भारत हैं–एक ऐसी धरती, जो हर जख्म से नई ताकत पैदा करती है। आतंक का यह साया हमारी रोशनी को नहीं छीन सकता। हम एक साथ चलेंगे, एक साथ लड़ेंगे, और एक साथ जीतेंगे। जय हिंद।

प्रो. आरके जैन

उठाइये कदम, हम सब एक साथ हैं

पहलगाम नृशंस हत्याकांड के बाद भारत सरकार को जो जरूरी कदम उठाने हैं, वो उठाये, इस मुद्दे पर पूरा देश सरकार के साथ है। लेकिन शर्त ये हैकि सरकार इस मुद्दे पर काराई से पहले ये भी गारंट दे की देश में फिलहाल कोई ध्रुवीकरण नहीं किया जाएगा। इस हत्याकांड की आड़ में फिर से हिन्दू-मुसलमान नहीं किया जाएगा। क्योंकि देश का असली नुक्सान इसी ध्रुवीकरण की वजह से हो रहा है। पहलगाम में 28 लोगों की हत्या से पूरा देश सिहिर गया है। इस हत्याकांड के लिए जब हमने और दूसरों ने केंद्र सरकार की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया तो बहुत से लोग [भक्तगण] आहत हो गए। राशन-पानी लेकर पिल पड़े। लेकिन मुझे उनके ऊपर केवल दया आयी,क्योंकि वे नहीं जानते की वे क्या कह रहे हैं या क्या कर रहे हैं ? भटकगणों से मेरा सीधा सा सवाल है की इस हादसे के लिए सत्ता प्रतिष्ठान को दोषी न ठहराया जाये तो क्या विपक्ष को दोषी ठहराया जाये ?डोनाल्ड ट्रम्प,पुतिन या सही जिनपिंग को दोषी ठहराया जाये ?ऐसा नहीं होता। दोषी हमेशा सत्ता प्रतिष्ठान होता है क्योंकि उसके पास समस्त शक्तियां होतीं हैं। बहरहाल हम स्वागत करते हैं की माननीय प्रधानमंत्री अपनी सऊदी अरब की यात्रा को बिच में ही छोड़कर स्वदेश लौटे । उन्होंने इस हत्याकांड के बाद त्ताक्लिक रूप से जो मुमकिन हो सकता था वो किया भी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी (सीसीएस) की बैठक में कई अहम फ़ैसले भी लिए गए, जिसमें पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौते को निलंबित करने . इसके साथ ही अटारी बॉर्डर को भी बंद करने का फ़ैसला किया गया है। आपको याद होगा की भारत ने पाकिस्तान के साथ 1960 के सिंधु जल समझौता किया था। इसे तुरंत प्रभाव से निलंबित रखने का फ़ैसला किया है। ये फ़ैसला तब तक लागू रहेगा जब तक पाकिस्तान विश्वसनीय ढंग से सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देना बंद नहीं कर देता।

सिंधु सम्झौतेके बारे में आज के पाठक शायद न जानते हों इसलिए बता दूँ की सिंधु जल समझौते के तहत ब्यास, रावी और सतलुज नदियों का नियंत्रण भारत को, तथा सिंधु, चिनाब और झेलमका नियंत्रण पाकिस्तान के पास है । समझौते के अनुसार भारत को उनका उपयोग सिंचाई, परिवहन और बिजली उत्पादन हेतु करने की अनुमति है। इस दौरान इन नदियों पर भारत द्वारा परियोजनाओं के निर्माण के लिए सटीक नियम निश्चित किए गए। यह संधि पाकिस्तान के डर का परिणाम थी ,क्योंकि इन नदियों का उद्गम भारत में होने के कारण कहीं युद्ध आदि की स्थिति में उसे सूखे और अकाल आदि का सामना न करना पड़े। पहलगाम हत्याकांड के फौरन बाद भारत ने अटारी इंटिग्रेटेड चेक पोस्ट को भी तुरंत प्रभाव से बंद करने का फ़ैसला किया है. सरकार की ओर से कहा गया है कि जो लोग मान्य दस्तावेजों के आधार पर इधर आए हैं वो इस रूट से 1 मई 2025 से पहले वापस जा सकते हैं। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा कि अब पाकिस्तानी नागरिक सार्क वीजा छूट स्कीम (एसवीईएस) के तहत जारी वीजा के आधार पर भारत की यात्रा नहीं कर पाएंगे. एसवीईएस के तहत पाकिस्तानी नागरिकों को पूर्व में जारी किए वीजा रद्द माने जाएंगे. एसवीईएस के तहत जो भी पाकिस्तानी नागरिक भारत में हैं उन्हें 48 घंटों में भारत छोड़ना होगा। एक अन्य फैसले के बाद नई दिल्ली में पाकिस्तानी उच्चायोग के रक्षा/सैन्य, नौसेना और वायु सेना सलाहकारों को अवांछित (पर्सोना नॉ ग्रेटा) व्यक्तिघोषित कर दिया गया है। उन्हें भारत छोड़ने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया है। भारत इस्लामाबाद स्थित अपने उच्चायोग के रक्षा/सैन्य, नौसेना और वायु सेना सलाहकारों को भी वापस बुला रहा है. दोनों उच्चायोग में ये पद खत्म माने जाएंगे। ये सभी कूटनीति और राजनयिक कदम हैं। असली कार्रवाई तो नृशंस हत्यारों का खात्मा है। ये खात्मा फुटकर मुठभेड़ों से मुमकिन नहीं है। इसके लिए क्या किया जाना चाहिए ये हम जैसे लोग नहीं बता सकते । ये तय करना सेना और सरकार का काम है। हमारे यहां कहावत है की शत्रुता और उधारी कभी बकाया नहीं रहना चाहिए। हिसाब बराबर होना ही एकमात्र विकल्प है।

मेरे हिसाब से और बेहतर होता की सरकार इस हत्याकांड के बाद राजनीति से ऊपर उठकर आनन-फानन में एक सर्वदलीय बैठक भी बुला लेते । सभी दलों को विश्वास में लेकर कोई फैसला किया जाता तो और बेहतर होता। क्योंकि ये लड़ाई हिन्दू-मुसलमान की या भाजपा -कांग्रेस की नहीं है। पूरे देश की है,देश की सम्प्रभुता और एकता पर हमले के खिलाफ लड़ने की है। इसे सरकार अकेले नहीं लड़ सकती। पूरे देश को ये लड़ाई लड़ना होगी। मैं होता तो देश से अपील करता कि देश कुछ समय के लिए तमाम आंदोलन,धरना,प्रदर्शन बंद कर भारत सरकार के साथ खड़ा हो। अभी भी ज्यादा देर नहीं हुई है। सरकार को विपक्ष कि साथ पाकिस्तान जैसा व्यवहार न करते हुए सहयोगियों जैसा व्यवहार करना चाहिए। जब हालात मामूल पर आ जाएँ तब विपक्ष अपना काम करे और सरकार अपना काम करें। लेकिन सरकार ऐसा कर नहीं रही । जम्मू-कश्मीर में हुई उच्च स्तरीय बैअत:क से सूबे कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को बाहर कर दिया गया। ये राज्य की जनता का अपमान है।उमर कोई पाकिस्तानी नागरिक नहीं है। उनके पास आतंकवादियों से दो-दो हाथ करने का पुराना तजुर्बा है। आज मैं न प्रधानमंत्री की आलोचना करना चाहता हूं और न गृहमंत्री जी की । मेरा तो एक ही आग्रह है इ देश के प्रधानमंत्री किसी दिन रात 8 बजे देश से मुकझातिब हों। उन्हें इस हादसे के बाद देश से मुंह छिपाने की जरूरत नहीं है। उनकी सरकार के अतीत के फैसलसों पर बाद में बात हो जाएगी। अभी तो पाकिस्तान से और अत्तंकवादियों से निबटना है और मिलजुलकर निबटना है।

राकेश अचल

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। नोट:-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

अज्ञात कारणों से लगी आग 2 बीघा गेहूं और 9 बीघा गन्ने की फ़सल नष्ट, दमकल ने पाया आग पर काबू

सीतापुर जनपद सीतापुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम नौव्वापुर में गुरुवार दोपहर एक बड़ी घटना सामने आई महबूब खान के गेहूं के खेत में अज्ञात कारणों से आग लग गई देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया मौके पर जमा किसानों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन वे असफल रहे। तेज हवाओं के कारण आग और भी फैल गई आग ने इंतकार, श्रीधर और मोबीन के खेतों को भी अपनी चपेट में ले लिया इस घटना में कुल 2 बीघा गेहूं की फसल और करीब 9 बीघा गन्ने की पेंडी जलकर नष्ट हो गई ग्रामीणों ने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी। अग्निशमन प्रभारी हंस कुमार सिंह के नेतृत्व में विवेक कुमार, शिवम और उनकी टीम मौके पर पहुंची दमकल कर्मियों ने स्थानीय लोगों के सहयोग से आग पर काबू पा लिया घटना की सूचना तहसील प्रशासन को भी दे दी गई है अधिकारियों द्वारा नुकसान का आंकलन किया जा रहा है!!

बस और बाइक की टक्कर के बाद हुई हिंसा, दलित मूकबधिर युवक पर हमला, दोनों तरफ़ से पथराव में एक घायल

सीतापुर महमूदाबाद थाना क्षेत्र के इमलिया तिलकापुर गांव में एक बस और बाइक की टक्कर ने सांप्रदायिक तनाव की स्थिति पैदा कर दी बुधवार की देर शाम को हुई। इस घटना में एक दलित मूकबधिर युवक को निशाना बनाया गया घटना के बाद एक समुदाय के करीब दो दर्जन लोगों ने दलित युवक और उसके परिवार पर हमला कर दिया दोनों पक्षों के बीच जमकर पथराव हुआ इस हिंसक घटना में एक व्यक्ति घायल हो गया। घायल को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। पुलिस ने दोनों पक्षों के कुछ लोगों को हिरासत में लेकर मामला दर्ज कर लिया है घटना का एक वीडियो सामने आया है इस वीडियो में दोनों पक्षों के बीच ईंट-पत्थर चलते हुए साफ दिख रहे हैं। पुलिस ने गांव में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त बल तैनात कर दिया है पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है वायरल वीडियो को भी जांच में शामिल किया गया है दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी फिलहाल गांव में स्थिति शांतिपूर्ण है!!

प्रभात सामाजिक सेवा संस्थान गरीब परिवार के बच्चों का आधे शुल्क पर कर रहा एडमीशन

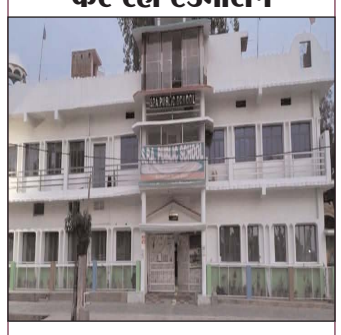

मिश्रिख (सीतापुर)मिश्रिख क्षेत्र में समांज सेवा का कार्य कर रही "प्रभात सामाजिक सेवा संस्था" मोहल्ला रामबाग में स्थित एसपीए पब्लिक स्कूल में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग जिनकी आय सालाना एक लाख से कम है। उनके प्रतिभाशाली बच्चों का प्रवेश इंग्लिश मीडियम से नर्सरी से कक्षा 8 तक 50 प्रतिशत शिक्षण शुल्क पर करा रही है । वहीं प्राइवेट कंपनियों में कार्यरत कर्मचारी, प्राइवेट विद्यालयों के शिक्षक, छोटे दुकानदार, लघु किसान, राज मिस्त्री, बिल्डिंग, कार्पेंट्री आदि कार्य करने वाले वर्गों के बच्चों का प्रवेश कराया जा रहा है। प्रवेश प्रक्रिया 20 मई 2025 तक जारी रहेगी। इसमें इंग्लिश मीडियम से प्रवेश पर वार्षिक शिक्षण शुल्क का आधा शुल्क देना होगा। वह भी पैरेंट अपनी सुविधा अनुसार दे सकते है। माता-पिता को बच्चों की अन्य शिक्षण सामग्री की व्यवस्था स्वयं करनी होगी।इच्छुक व्यक्ति संस्था के कार्यालय मोहल्ला रामबाग निकट रविदास इंटर कालेज से सम्पर्क स्थापित करके विद्यालय में बच्चों का एडमीशन करा सकते है।

20 घरों में लगी आग दो करोड़ की संपत्ति जलकर ख़ाक

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर सकरन थाना क्षेत्र में बुधवार शाम एक भीषण अग्निकांड में 20 घर जलकर राख हो गए पुरवा आचार्य के मजरा दुबियनपुरवा में करीब साढ़े पांच बजे मिश्रीलाल के घर में अचानक आग लग गई आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया इससे जीवन, संजय, रोहित, रामस्वरूप, कमलेश, अक्षयलाल, प्रकाश, अशोक, राजेश, कल्लू, बृजेश, पप्पू, पहलवान, प्रमोद, सोने, रामखेलावन, संजय, हरिकेश और राधादेवी के घर जल गए। इस हादसे में मिश्रीलाल के डेढ़ लाख की नकदी और जेवर नष्ट हो गए सोनेलाल के तीन हजार रुपये और जेवर, प्रमोद के सोने-चांदी के जेवर तथा संजय के 50 हजार रुपये नकद और जेवर जल गए। इसके अलावा सभी पीड़ितों के घरों में रखे कपड़े, राशन, बर्तन, साइकिल, पंपिंग सेट और चारा मशीन भी जलकर राख हो गए ग्रामीणों ने सूचना देने के बावजूद दमकल की गाड़ी मौके पर नहीं पहुंची ग्रामीणों की कड़ी मेहनत से डेढ़ घंटे बाद आग पर काबू पाया गया सकरन पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पीड़ितों का हालचाल जाना राजस्व विभाग को घटना की सूचना दे दी गई है। क्षेत्रीय लेखपाल अरविंद पाल ने बताया कि वे अगली सुबह आकर नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट भेजेंगे इस अग्निकांड में कुल बीस लाख से अधिक के नुकसान का अनुमान है!!

आधार पंजीकरण व संशोधन के लिए लगा कैंप

लखनऊ- प्लान इंडिया के तहत ब्लॉक परिसर में आधार इनरोलमेंट कैंप आयोजित किया गया। आपको बता दें कि माल डाक घर के वरिष्ठ अधिकारी हरसेंद्र प्रताप सिंह व राम नरेश के नेतृत्व में ब्लॉक परिसर में कैंप का आयोजन हुआ।जिसमें बच्चों के आधार (बाल आधार) बनाने और आधार में मोबाइल नंबर अपडेट करने के लिए एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया है। यह सेवा बच्चों के आधार बनाने के लिए पूरी तरह से निःशुल्क है। यह विशेष अभियान शिविर का उद्देश्य 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों के आधार कार्ड बनाने में माता-पिता की सहायता करना है। बच्चों के लिए आधार कार्ड अब स्कूल में दाखिले और एपार आईडी निर्माण के लिए अनिवार्य हो गया है। इससे यह अभियान अभिभावकों के लिए इस प्रक्रिया को सरल बनायेगा। इस कैंप में दर्जनों उपभोक्ताओं ने लाभ उठाया।

पहलगाम हमला- मानवता पर हमला, कायरता की हद दोषियों पर हो सख्त कार्यवाही- मस्त हफिज रहमानी

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर- जम्मू-कश्मीर के पर्यटन स्थल पहलगाम में हुआ आतंकी हमला सिर्फ किसी एक क्षेत्र या जातीय समूह पर नहीं, बल्कि पूरी मानवता पर हमला है। यह एक ऐसा कृत्य है जिसे किसी भी सभ्य समाज में कतई बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। निहत्थे लोगों को निशाना बनाना कायरता की पराकाष्ठा है और इस शर्मनाक हरकत को अंजाम देने वाले किसी भी तरह की दया या रहम के हकदार नहीं हैं। स्थानीय सामाजिक संगठनों तथा जमीयत उलमा ए हिंद के सीतापुर जिला अध्यक्ष मस्त हफीज रहमानी ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं देश की एकता और अखंडता को चुनौती देने का प्रयास हैं। उन्होंने सरकार से मांग की है कि इस घिनौने अपराध में शामिल लोगों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाए और सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी ऐसे अपराध करने की हिम्मत न जुटा सके। इस हमले ने एक बार फिर यह साबित किया है कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता – उसका एक ही मकसद होता है- समाज में डर और अफरातफरी फैलाना। लेकिन भारत जैसे मजबूत लोकतंत्र में ऐसे प्रयास कभी कामयाब नहीं हो सकते। जिम्मेदार एजेंसियों से अपेक्षा की जा रही है कि जल्द से जल्द दोषियों को पकड़कर न्याय के कठघरे में लाया जाए, ताकि पीड़ितों के परिवारों को इंसाफ मिल सके और देश की जनता का भरोसा कानून व्यवस्था में बना रहे।

वृक्षारोपण योजना में लापरवाही पर डीएम सख्त, विभागों को दी चेतावनी, पर्यावरण संरक्षक के लिए कार्ययोजना जल्द सौंपने के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर वृक्षारोपण अभियान 2025 को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में अहम बैठक हुई जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने जिला वृक्षारोपण समिति पर्यावरण समिति और गंगा समिति की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता की डीएम ने सभी विभागों को वृक्षारोपण लक्ष्यों की स्पष्ट सूची तैयार करने के निर्देश दिए उन्होंने सरायन नदी और आसपास के तालाबों पर बड़े पैमाने पर पेड़ लगाने की योजना बनाने को कहा छायादार और फलदार पेड़ों की प्रजातियों का चयन कर समय पर काम पूरा करने के निर्देश दिए। प्लास्टिक प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए नगरीय निकायों को विशेष टीम बनाने को कहा गया बल्क सप्लायर्स पर कड़ी कार्रवाई के आदेश दिए गए। पशु चिकित्सालयों के बायोमेडिकल कचरे के निपटान की जिम्मेदारी मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को सौंपी गई प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी नवीन खंडेलवाल ने विभागों के वृक्षारोपण लक्ष्य प्रस्तुत किए बैठक में मुख्य विकास अधिकारी निधि बंसल, जिला विद्यालय निरीक्षक राजेन्द्र सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अखिलेश प्रताप सिंह समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे!!

जीआईएस ग्रुप के सदस्यों ने पहलगाम आतंकी हमले की निन्दा करते हुए मृतकों को दी श्रद्धांजलि

पीजीआई/लखनऊ गुरुवार को राजधानी लखनऊ के पीजीआई क्षेत्र मे जीआईएस ग्रुप के सदस्यों द्वारा पहलगाम आतंकी हमले में शहीद हुए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखा। वृन्दावन योजना स्थित जीआईएस पार्क स्थल पर जीआईएस ग्रुप के सदस्यों ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले में बेगुनाह लोगों पर हुए हमले की कड़ी निन्दा करते हुए मृतक आत्मा की शान्ति के लिए दो मिनट का मौन धारण किया। इस अवसर पर जीआईएस ग्रुप संचालक इंजीनियर लाल बहादुर पाण्डेय ने आतंकवादी हमले को कायरता पूर्ण बताते हुए घोर भर्त्सना की और सरकार से दुखःद एवं बोझिल स्वरों में अपील करते हुए 24 घंटे के अंदर सारी घाटी को छानकर ऐसे कायरों को खाक में मिलाया जाए तभी मृतकों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित समझी जाएगी। इस दौरान भोलेनाथ दुबे, आशुतोष कुमार श्रीवास्तव मुकुंद बाजपेई, अर्जुन, जगदीश, राम नारायन सहित अन्य सदस्यों की मौजूदगी रही।

कथित भाजपा नेता पर दर्ज मुकदमे में पत्नी की शिकायत, महिला आयोग की सदस्य ने सुनी समस्याएं, पुलिस को दिए कार्रवाई के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य सुजीता कुमारी ने सीतापुर में जनसुनवाई की सदर तहसील सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने महिलाओं की शिकायतें सुनीं एक महिला ने अपने पति व कथित भाजपा नेता दीपिल अरोरा के खिलाफ शिकायत की महिला का आरोप था कि कोतवाली में मुकदमा दर्ज होने के बावजूद पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है इस पर सदस्या ने नाराजगी व्यक्त करते हुए जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए है। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंचीं उन्होंने घरेलू हिंसा दहेज प्रताड़ना और मानसिक उत्पीड़न जैसी समस्याएं बताईं कई महिलाओं ने अपनी शिकायतें लिखित रूप में भी दीं सुजीता कुमारी ने सभी को आश्वस्त किया कि पीड़ित महिलाओं को न्याय दिलाना आयोग की सर्वोच्च प्राथमिकता है महिला आयोग की सदस्य ने कहा कि आयोग एक वैधानिक संस्था है

यह महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए काम करती है आयोग जनसुनवाई और जागरूकता कार्यक्रम चलाता है इससे महिलाओं की समस्याओं का त्वरित समाधान होता है उन्होंने महिलाओं से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की अपील की साथ ही कहा कि अन्याय के खिलाफ डटकर खड़ा होना चाहिए आयोग पीड़ित महिलाओं को कानूनी सहायता और मानसिक सहयोग भी देता है। कार्यक्रम के बाद सुजीता कुमारी कांशीराम कालोनी पहुंचीं वहां उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया महिलाओं की गोद भराई और बच्चों के अन्नप्राशन कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया!!

विद्युत विभाग की लापरवाही से करेंट लगने से किसान की भैंस की मौत, किसान ने विभाग से की मुवावजे की मांग

स्वतंत्र प्रभात

निगोहां- निगोहां थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत मंगटैया के मजरा बैरी में अचानक ट्रांसफार्मर से हाई टेंशन लाइन के तार टूट जाने के कारण वहीं एक दुधारू भैंस पर गिर पड़ी जिसे करंट लगने से उसकी मृत्यु हो गई ग्रामीणों ने विद्युत विभाग को सूचना कर लाइन बंद कराई निगोहा सब स्टेशन का अतिरिक्त चार्ज देख रहे अवर अभियंता विजय कुमार शर्मा ने तार को सही कराया और भैंस पोस्टमार्टम के लिए भेज दी बैरी निवासी किसान इंदल रावत पुत्र स्व रामदीन ने बताया की भैंस की कीमत लगभग लगभग 80 हजार रुपए के आसपास थी भैंस प्रतिदिन 8 लीटर के हिसाब से दूध देती थी जिससे परिवार का पालन पोषण का होता था आज अपनी भैंस को चराने के बाद वापस ला रहे थे कि भैंस ट्रांसफार्मर के पास पहुंची तेज हवा के कारण लाइन से तार टूट कर भैंस पर जा गिरा जिससे भैंस की मौके पर मौत हो गई कई बार बिजली विभाग में फोन करने पर भी फोन नहीं उठा बड़ी देर बाद जब फोन उठा तब जाकर सप्लाई बंद की गई क्षेत्र में कई जगह पर बगैर सेफगार्डिंग की 11000 की लाइन के तार गए एवं जर्जर है कभी भी कोई बड़ी घटना हो सकती है कई बार शिकायत करने के बाद भी बिजली विभाग की घोर लापरवाही सामने देखने को मिली बिजली विभाग पर लापरवाही बरतने का भी आरोप किसान ने किया है

स्तन कैंसर स्क्रीनिंग पर एक प्रसार कार्यशाला का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान (केएसएसएससीआई), लखनऊ के लोक स्वास्थ्य विभाग ने हेल्थ टेक्नोलॉजी असेसमेंट इंडिया (एचटीएआईएन) के सहयोग से 24 अप्रैल, 2025 को स्तन कैंसर स्क्रीनिंग पर एक प्रसार कार्यशाला का आयोजन किया है। कार्यशाला का उद्देश्य भारत में स्तन कैंसर की जांच पर एचटीए की हालिया रिपोर्ट के निष्कर्षों को साझा करना और स्वास्थ्य सेवा में साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने को बढ़ावा देना था। कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की प्रबंध निदेशक डॉ. पिंकी जोवेल, आईएएस ने किया। अपने संबोधन में डॉ. जोवेल ने स्तन कैंसर की जांच के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिर और प्रमुख संस्थानों के बीच सहयोग की आवश्यकता का भी उल्लेख किया। आईआईटी कानपुर के बीएसबीई विभाग के प्रोफेसर अमिताभ बंद्योपाध्याय, जो विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए, ने भी कहा कि आईआईटी, कानपुर और केएसएसएससीआई के बीच सहयोग से कैंसर की रोकथाम, निदान और उपचार में नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

उद्घाटन सत्र में केएसएसएससीआई के निदेशक प्रो. एम.एल.बी. भट्ट, कार्यकारी रजिस्ट्रार डॉ. शरद सिंह, डीन प्रो. सबुही कुरैशी और आरएमएलआईएमएस, लखनऊ के डॉ. मनीष कुमार सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यशाला के मुख्य आकर्षण में सभी गणमान्यों द्वारा भारत में स्तन कैंसर जांच पर एचटीए रिपोर्ट जारी करना शामिल था, जिसके बाद भारतीय संदर्भ में स्तन कैंसर के प्रमुख पहलुओं को कवर करने वाले तकनीकी सत्र हुए। रिपोर्ट को डॉ. आयुष लोहिया की देखरेख में लिखा और संकलित किया गया, जिन्होंने एचटीए परियोजना के प्रमुख अन्वेषक के रूप में कार्य किया। उन्होंने बताया कि इस शोध के परिणाम भारत में स्तन कैंसर के कारण होने वाली मौतों को कम करने में मदद कर सकते हैं। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा नैदानिक स्तन जांच महिलाओं को कैंसर होने से रोक सकती है और महिलाओं में मृत्यु दर को कम करेगी। स्तन कैंसर की जांच स्तन कैंसर के इलाज के लिए वित्तीय बोझ को भी कम कर सकती है।

पंचायती राज दिवस के अवसर पर भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई सभागार का हुआ लोकार्पण

● उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता नीरज सिंह रहे मौजूद।

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज- मोहनलालगंज खंड विकास कार्यालय में पंचायती राज दिवस के अवसर पर विकासखंड में स्थित भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई सभागार का सौंदरीकरण के उपरांत लोकार्पण मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता नीरज सिंह के द्वारा किया गया इस सभा का सौंदरीकरण क्षेत्र पंचायत निधि से किया गया आयोजन की अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख मोहनलालगंज ओमप्रकाश शुक्ला बिंदेश्वरी के द्वारा किया गया विशिष्ट अतिथि के रूप में अमरेश रावत विधायक मोहनलालगंज चंद्रा रावत क्षेत्रीय उपाध्यक्ष पूर्व जिला अध्यक्ष वीरेंद्र प्रताप सिंह देवेंद्र कुमार सिंह प्रधान संघ अध्यक्ष वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता सुरेंद्र दीक्षित खंड विकास अधिकारी आशुतोष कुमार श्रीवास्तव सहित सहायक विकास अधिकारी पंचायत अशोक यादव सभी ग्राम पंचायत के प्रधान व क्षेत्रपंचायत सदस्य गण मौजूद रहे कार्यक्रम की शुरुआत में सबसे पहले सभी अतिथियों का स्वागत किया गया अपने संबोधन में ब्लॉक प्रमुख ओम प्रकाश शुक्ला बिंदेश्वरी के द्वारा बताया गया कि सभी 78 ग्राम पंचायत में क्षेत्र पंचायत निधि के द्वारा 727 वाटर कूलर लगवाए गए एवं आगे भी हमारा विकास कार्य जारी रहेगा भाजपा सरकार में सबका साथ सबका विकास सबका प्रयास के आधार पर हम सभी मिलकर काम कर रहे हैं भारत की पांचवीं अर्थव्यवस्था बन चुकी है आगे भी भारत सरकार हमारी डबल इंजन की सरकार के द्वारा देश को आगे बढ़ने का काम करेंगे विधायक अमरेश रावत पूर्व विधायक चंद्रा रावत प्रधान संघ अध्यक्ष देवेंद्र सिंह बबलू के द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया समूह संचालित करने वाली महिलाओं को प्रशस्ति पत्र वितरण भी किया गया ग्राम प्रधान पति शैलेंद्र कुमार पाल दयालपुर भद्दी शीर्ष ग्राम प्रधान सुरेश कुमार गढ़ी मेंहदौली प्रधान विपिन कुमार निगोहा ग्राम प्रधान अभय कांत दीक्षित करण शुक्ला बिंदेश्वरी अभिषेक शुक्ला बिंदेश्वरी सहित ग्राम प्रधान एवं क्षेत्र पंचायत सदस्य मौजूद रहे।

दबंग ग्राम प्रधान द्वारा किसान की भूमि पर लगाया गया जबरन खड़ंजा

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज/ लखनऊ विकासखंड मोहनलालगंज अंतर्गत ग्राम सभा गोविंदपुर की ग्राम प्रधान प्रियंका यादव ग्राम प्रधान प्रतिनिधि पति हरिनाम यादव द्वारा भूमि गाटा संख्या 164रकबा 0.076किसान रामसुरेश आदि के नाम पर खतौनी मे दर्ज है उक्त गाटा संख्या के बगल से एक कच्चा गालियारा निकलता है ग्राम प्रधान व ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ने जबरन गलियारे में खड़ंजा लगाए जाने का प्रस्ताव कर किसान की पुस्तेनी भूमि पर लगाना शुरू कर दिया जिसका विरोध किसान व गांव के अन्य लोगो द्वारा किया गया जिस की शिकायत आला अधिकारियो से की गई जिसको लेकर लेखपाल ने मौक़े पर जांच की और अपनी रिपोर्ट में लिखा की खड़ंजा किसान की भूमि पर लगाया जा रहा हैं लेखपाल की रिपोर्ट के बाद अधिकारियो ने खड़ंजा लगाए जाने को मना किया किन्तु ग्राम प्रधान व ग्राम प्रधान प्रतिनिधि हरिनाम यादव द्वारा अधिकारियो का आदेश ताख पर रखकर दबंगई के बल पर जबरन खड़ंजा लगवा दिया किसानो ने ग्राम प्रधान व प्रधान प्रतिनिधि के खिलाफ ए सी पी मोहनलालगंज को प्रार्थनापत्र देकर विधिक कार्यवाही किये जाने की मांग की हैं।

पहलगाम हमले के विरोध में कैंडल मार्च,व्यापारियों ने दी श्रद्धांजलि

स्वतंत्र प्रभात

माल, लखनऊ। माल कस्बे में जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए क्रूरतम आतंकवादी हमले के विरोध में व्यापार मण्डल के नेतृत्व में गुरुवार की शाम कैंडल मार्च निकाला गया। जो शीतला माता मंदिर से प्रारम्भ होकर चौराहे पर यात्रा का समापन हुआ।व्यापार मण्डल ने मृतकों को श्रद्धांजलि दी। भारत सरकार से आतंकवादियों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई करने की मांग किया।जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में दर्जनों लोगों की मौत से पूरे देश में आक्रोश है। हमले में मारे गये लोगों को श्रद्धांजलि देने को कैंडल मार्च निकाला गया। इसमें आतंकी हमले की कड़ी निंदा की गयी।साथ ही पाकिस्तान मुर्दाबाद, वंदे मातरम आदि नारे कैंडल मार्च के दौरान लगाये गये।लोगों ने कहा कि इस आतंकी घटना के विरोध में देश एकजुट है। आतंकवादियों को पनाह दे रहे देश पर कार्रवाई होनी चाहिए।साथ ही कठोर जवाब देना चाहिए।कैंडल मार्च में व्यापार मंडल अध्यक्ष गोपाल गुप्ता, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रामकुमार राही, भाजपा नेता मोहित तिवारी, शम्भू पाण्डेय, शुभम गुप्ता, विनय गुप्ता, राजेंद्र लहरी, राहुल शुक्ला, उमाशंकर त्रिपाठी, उत्तम त्रिपाठी, श्याम लाल तूफानी सहित कई लोग शामिल हुए।

क्या बोले नागरिक

1. मोहित तिवारी- आतंकवादियों द्वारा बहुत ही घृणित कार्य किया गया है। मेरी पूरी सहानुभूति इस हादसे में जान गवांने वालों के परिजनों के साथ है। सरकार को बहुत कठोर कार्यवाही करनी चाहिए ताकि इनको सबक मिले।

2. शंभू पाण्डेय - जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुआ आमानवीय कृत्य इंसानियत और मजहब को शर्मसार कर देने वाला है। जो कि अक्षम्य और घोर निंदनीय है। सरकार से अपेक्षा है कि वह कठोर कार्रवाई करे।

3. शुभम गुप्ता- निर्दोष पर्यटकों पर हमला कर भारतीयों को डराने की कोशिश निश्चित तौर पर पाकिस्तान को भारी पड़ने वाली है। न केवल आतंकी बल्कि कश्मीर में इन्हें पनाह देने वालों पर भी कार्रवाई की जानी चाहिए भारतीय सरकार के साथ हैं।

ग्राम विकास अधिकारी संघ गोसाईगंज की नवीन में राम बहादुर शर्मा अध्यक्ष एवं प्रशान्त सक्सेना महामंत्री मनोनीत

● ग्राम विकास अधिकारी संघ गोसाईगंज की नवीन कार्यकारिणी का हुआ गठन।

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ गुरुवार को राजधानी लखनऊ के विकास खंड गोसाईगंज में ग्राम विकास अधिकारी संघ की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया है। विकासखंड गोसाईगंज के सभागार कक्ष में आयोजित बैठक में उपस्थित सभी ग्राम विकास अधिकारी की मौजूदगी में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। नई कार्यकारिणी के गठन के दौरान सर्वसम्मति से ब्लाक अध्यक्ष पद पर राम बहादुर शर्मा ,महामंत्री पद पर प्रशांत सक्सेना ,जनपद प्रतिनिधि पद पर रविकांत पाण्डेय ,उपाध्यक्ष पद पर दीपक चौधरी ,महिला उपाध्यक्ष पद पर रेनू यादव , कोषाध्यक्ष पद पर संजय चौधरी , प्रवक्ता पद पर तरेश शेखर तिवारी और संगठन मंत्री पद पर सत्य प्रकाश निगम का मनोनयन किया गया ।

ब्लाक अध्यक्ष राम बहादुर शर्मा ने नवीन कार्यकारिणी के सभी मनोनीत सदस्यों को शुभकामना और बधाई देते हुए बताया कि नवीन कार्यकारिणी के गठन होने से कर्मचारियों की समस्याओं का त्वरित निदान किया जाएगा और कर्मचारियों की जो भी समस्या होगी उसका तत्काल निराकरण किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

ठेका श्रमिक मजदूर कांग्रेस इंटक एरिया महामंत्री आदर्श तिवारी बनने पर हर्ष

शहडोल शहडोल, एसईसीएल सोहागपुर एरिया कोयला मजदूर कांग्रेस इंटक ठेका श्रमिक संगठन के महामंत्री पद पर आदर्श तिवारी की नियुक्त किए जाने पर ठेका श्रमिकों में हर्ष प्राप्त है । इस पद पर सुशोभित होने पर आदर्श तिवारी ने कहा कि हमारे सोहागपुर एरियाअध्यक्ष नरेंद्र चतुर्वेदी जी ने जो मुझे दायित्व दिया है। उस पद का निर्वहन मैं ईमानदारी एवं न्याय के साथ संघर्ष करता रहूंगा । इसके लिए मैं अपने श्रमिक साथियों के साथ कंधे से कंधे मिलाकर लड़ता रहूंगा । यह मेरे जिंदगी का उद्देश्य भी है की गरीब श्रमिकों के लिए सदैव निरंतर संघर्ष करता रहूंगा। सर्वप्रथम इंटक यूनियन को सोहागपुर एरिया मे मजबूत करने का पूर्ण प्रयास करुंगा।

पेड़ से लटकता हुआ शव मिला

सिद्धार्थनगर। भावनीगंज थाना क्षेत्र के भड़रिया गांव के पश्चिम श्मशान घाट के पास बुधवार की शाम बाग में आम के पेड़ से अधेड़ व्यक्ति का शव फंदे से लटका मिला है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को बुलाया है। भड़रिया गांव की महिलाएं श्मशान घाट के पास स्थित खेत से सब्जी तोड़ने आती हैं। जो उधर स्थित सुवांव नाला श्मशान घाट की तरफ गई थीं। जिन्होंने शव को पेड़ से लटकता देखा और चौराहे पर जाकर शोर मचाया, जिसे सुनकर लोग पहुंचे और घटने की जानकारी भवानीगंज पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई। मृतक की पहचान भाईलाल (44) पुत्र गिरधारी निवासी भड़रिया के रूप में हुई। घटना की जानकारी परिजन को दी गई। इस संबंध में थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में बर्डपुर में निकाली गई कैंडल मार्च

सिद्धार्थनगर। जम्मू- कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में दो दर्जन से अधिक लोगों की मौत के विरोध में गुरुवार को नगर पंचायत कपिलवस्तु के कस्बा बर्डपुर के बुद्ध चौक से बैंक चौराहे तक कैंडल मार्च निकालकर विरोध प्रदर्शन किया गया। हमले में मारे गए पर्यटकों को श्रद्धांजलि देने के लिए सभी ने दो मिनट का मौन रखा और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ हेतु ईश्वर से प्रार्थना किया। उक्त कार्यक्रम में विभिन्न संगठनों के नेताओं सहित व्यापारियों एवं भारी संख्या में स्थानीय लोगों ने कैंडल मार्च निकालकर विरोध प्रदर्शन किया एवं श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान निवर्तमान मंडल अध्यक्ष नितेश पाण्डेय, शरदेंदु त्रिपाठी, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि जावेद आलम उर्फ चुन्ने, विवेक गोस्वामी, हरिश्चंद्र अग्रहरि, राजकमल जायसवाल, कंचन वर्मा, रामशरन, अनिल चौधरी, रामसागर चौधरी, डॉ प्रमोद यादव ,राजकुमार चौधरी, संदीप मोदनवाल, दिलीप कन्नौजिया, विजय जायसवाल, अमरजीत राव ,दिनेश यादव ,सुरेंद्र यादव, अभिषेक पाण्डेय, आशीष मिश्रा, वीरू यादव, पवन मिश्रा, आनन्द चौधरी, शिवम मिश्र, आत्मा जायसवाल,फूलचंद्र जायसवाल ,राकेश मिश्र, पुनीत जायसवाल,मंतोष मोदनवाल, अभिषेक पाण्डेय, पवन यादव, विष्णु चौरसिया, तेजू जायसवाल, देवेंद्र चौधरी, हरिशंकर चौधरी, जेपी विश्वकर्मा, संजय जायसवाल, जितेंद्र जायसवाल, विनय कुमार ,गंगाराम आदि मौजूद रहे।

डीईओ ने वेयरहाउस का किया निरीक्षण

अलीगढ़। जिला अधिकारी एवं डीईओ संजीव रंजन द्वारा गुरूवार को ईवीएम वेयरहाउस पहुँच राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ईवीएम वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था को जांचा गया है। एडीएम पंकज कुमार ने बताया कि वेयर हाउस में 5356 बैलेट यूनिट, 5747 कंट्रोल यूनिट एवं 5630 वीवीपैट संरक्षित एवं सुरक्षित हैं। बीजेपी से उदयवीर सिंह लोधी, बीएसपी से एडवोकेट अशोक सिंह, एसपी से शाकिर अंसारी एवं मोहम्मद इदरीश की उपस्थिति में वेयर हाउस की सील खोली गई। सुरक्षा को जांचते हुए फिर से सभी प्रतिनिधियों के समक्ष वेयर हाउस में रखी ईवीएम, वीवीपैट को सीलबंद किया गया।

30 अप्रैल तक पाकिस्तान छोड़ दें भारतीय नागरिक, शहबाज सरकार ने दिया अल्टीमेटम

● पाकिस्तान ने भारतीय नागरिकों को जारी किए गए सार्क वीज़ा छूट योजना (एसवीईएस) के तहत सभी वीज़ा को भी निलंबित कर दिया है और उन्हें तत्काल प्रभाव से रद्द माना है। प्रेस विज्ञप्ति में एसवीईएस के तहत वर्तमान में पाकिस्तान में मौजूद भारतीय नागरिकों को 48 घंटे के भीतर बाहर निकलने का निर्देश दिया गया है।

स्वतंत्र प्रभात

पाकिस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति (एनएससी) की बैठक के बाद, इस्लामाबाद ने पाकिस्तान में सभी भारतीय नागरिकों को 30 अप्रैल 2025 तक भारत लौटने के लिए कहा है। एक प्रेस विज्ञप्ति में पाकिस्तानी पीएमओ ने कहा जो लोग वैध अनुमोदन के साथ सीमा पार कर गए हैं, वे तुरंत उस मार्ग से वापस आ सकते हैं, लेकिन 30 अप्रैल 2025 के बाद नहीं। पाकिस्तान ने भारतीय नागरिकों को जारी किए गए सार्क वीज़ा छूट योजना (एसवीईएस) के तहत सभी वीज़ा को भी निलंबित कर दिया है और उन्हें तत्काल प्रभाव से रद्द माना है। प्रेस विज्ञप्ति में एसवीईएस के तहत वर्तमान में पाकिस्तान में मौजूद भारतीय नागरिकों को 48 घंटे के भीतर बाहर निकलने का निर्देश दिया गया है।

इससे पहले, डॉन ने बताया कि उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने बुधवार देर रात एक निजी टेलीविजन चैनल से बात करते हुए भारत के दृष्टिकोण की आलोचना की और इसे अपरिपक्व और जल्दबाजी कहा। राजनयिक पर्यवेक्षकों ने चेतावनी दी है कि भारतीय प्रतिक्रिया और पाकिस्तान के जवाबी संदेश द्विपक्षीय संबंधों को नए निचले स्तर पर ले जा सकते हैं, जिससे 2019 के पुलवामा-बालाकोट संकट के बाद से चली आ रही दरार और बढ़ सकती है।

डॉन ने बताया कि संधि निलंबन, विशेष रूप से, दीर्घकालिक जल विवादों को भड़काने का जोखिम उठाता है, जबकि राजनयिक संबंधों का डाउनग्रेडिंग भविष्य के किसी भी डी-एस्केलेशन प्रयासों में बाधा डाल सकता है। पहलगाम हमले के एक दिन बाद, बुधवार शाम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नई दिल्ली में सुरक्षा पर कैबिनेट समिति (CCS) की बैठक हुई और आतंकी हमले के जवाब को अंतिम रूप दिया गया।

44 वीं जागृति ट्रॉफी पर झारखंड रेलवे धनबाद का कब्जा

नॉर्दर्न रेलवे दिल्ली रही उप विजेता

सिद्धार्थनगर। अखिल भारतीय वॉलीबाल टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में झारखंड रेलवे धनबाद और नॉर्दर्न रेलवे दिल्ली ने एक - एक सेट जीता ,तीसरे सेट (बेस्ट ऑफ थ्री मैच) में अच्छा प्रदर्शन करते हुए झारखंड रेलवे धनबाद ने नॉर्दर्न रेलवे दिल्ली को हरा कर जागृति ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। आयोजन समिति द्वारा ट्रॉफी के साथ 51000 रु का नकद पुरस्कार झारखंड रेलवे धनबाद को दिया गया।उप विजेता नॉर्दर्न रेलवे दिल्ली को उपविजेता ट्रॉफी के साथ 31000 रु की धनराशि दी गई। जागृति द्वारा आयोजित तीन दिवसीय वॉलीबाल टूर्नामेंट में समापन दिवस के मुख्यातिथि पूर्व सांसद कुशल तिवारी ,विशिष्ठ अतिथि पूर्व मंत्री डॉ श मसूद,पूर्व मंत्री, दिनेश कुमार सिंह ,उपाध्यक्ष एवं प्रदेश संगठन मंत्री कांग्रेस, मुरली मिश्रा,अध्यक्ष अकील अहमद उर्फ मुन्नू भाई, आयोजन सचिव मो श इब्राहिम आदि मौजूद रहे।

पुलिस उप महानिरीक्षक ने थाना मोहाना का वार्षिक निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। पुलिस उप महानिरीक्षक दिनेश कुमार पी . ने गुरुवार को वार्षिक निरीक्षण के लिए थाना मोहाना पहुचने पर पुलिस जवानों द्वारा गार्ड ऑफ़ ऑनर दिया गया। तत्पश्चात डीआईजी बस्ती द्वारा डॉ.अभिषेक महाजन, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर के साथ थाना मोहाना के थाना भवन, शस्त्रागार, बैरक, भोजनालय, थाने में लगे सीसीटीवी कैमरे, सीसीटीएनएस कक्ष, महिला हेल्पडेस्क व साइबर हेल्प डेस्क, महिला एवं पुरूष हवालात, थाना परिसर, निर्माणाधीन भवनों, अभिलेखों आदि का निरीक्षण किया गया । उन्होंने थाने के अपराध रजिस्टर, अन्य रजिस्टरों की जांच की तथा थाना के टॉप-10 अपराधियों के बारे में जानकारी कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देशित किया। थाना पर नियुक्त कर्मियों से बलवा ड्रिल व शस्त्र हैंडलिंग का अभ्यास कराया गया।

इस दौरान उन्होंने थाना परिसर व कार्यालय की साफ-सफाई का जायजा लिया एवं थाना परिसर में निर्माणाधीन भवनों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस दौरान पुलिस अधीक्षक डॉ.अभिषेक महाजन, क्षेत्राधिकारी बांसी मयंक द्विवेदी, क्षेत्राधिकारी सदर अरुणकान्त सिंह, थानाध्यक्ष मोहाना रोहित कुमार उपाध्याय, पीआरओ0 पुलिस अधीक्षक, वाचक पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर एवं अन्य पुलिस अधिकारी तथा पुलिस कर्मी आदि मौजूद रहे।

समस्तीपुर में भीषण अग्निकांड! शादी वाले घर में मची तबाही, पंडाल सहित सारा सामान जलकर राख

स्वतंत्र प्रभात

समस्तीपुर के कल्याणपुर में आग ने ऐसा तांडव मचाया, जिसमें जलकर 50 घर राख में तब्दील हो गए। वहीं इस भीषण अग्निकांड में दुल्हन बनने वाली एक लड़की का सपना भी जलकर खाक हो गया। घटना जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के मिर्जापुर वार्ड नंबर 10 की है, जहां बुधवार को शॉट सर्किट से भीषण आग लग गई। आगलगी की इस घटना में लाखों का सामान जलकर खाक हो गया। मिली जानकारी के अनुसार विश्वनाथ सहनी के घर में बिजली की चिंगारी से आग लग गयी। इस दौरान एक गैस सिलेंडर फटने से आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और देखते ही देखते 50 घरों में अपनी चपेट में ले लिया। सबसे दुखद बात यह है कि इस आगलगी में मोचन साह का घर भी शामिल है, जिनकी बेटी की आज शादी होने वाली थी और शादी की सारी तैयारी पूरी हो गई थी। लेकिन आग ने सबकुछ तबाह कर दिया, जिससे खुशी का माहौल गम में तब्दील हो गया है।

सब खत्म हो गया, कुछ नहीं बचा- पीड़ित मोचन साह ने बताया कि बारात अंगारघाट से आने वाली थी। जिसके लिए सभी तैयारी कर ली गयी थी। बारातियों के स्वागत के लिए पंडाल और मंडप तैयार कर लिया किया गया था। खाना भी बनकर तैयार था। लेकिन इस आगजनी में शादी के लिए खरीदा गया आभूषण, पैसा, फर्नीचर और बर्तन सहित सारा सामान जलकर राख हो गया। इसके अलावा ग्रामीण राज नंदन सहनी के 2 भैंस और एक दर्जन बकरी की झुलसकर मौत हो गई। वहीं सुनील साहनी, राहुल देव सहनी, संजय सहनी, मीना देवी, राजू सहनी, मनोज सहनी, विनोद सहनी और मनजीत कुमार के घर भी पूरी तरह जल गए। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की 6 गाड़ियां मौके पर पहुंची। ग्रामीणों के सहयोग से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। इस संबंध में जिला अग्निशमन सहायक पदाधिकारी सुरेंद्र प्रसाद ने बताया कि दोपहर करीब 1 बजे के सूचना मिली थी। जिसके बाद फायर ब्रिगेड की 6 गाड़ियां मौके पर पहुंची। इसके बाद ग्रामीणों के सहयोग से 4 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आगजनी में हुई नुकसान का आकलन किया जा रहा है। इधर कल्याणपुर प्रखंड के अंचल अधिकारी शशि रंजन ने कहा कि सुचना के बाद हल्का कर्मचारी को मौके पर भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भारतीय जनता पार्टी इस गंभीर त्रासदी का दुरुपयोग वैमनस्य, अविश्वास, ध्रुवीकरण और विभाजन फैलाने के लिए कर रही

● कांग्रेस कार्य समिति द्वारा पारित प्रस्ताव।

स्वतंत्र प्रभात

कांग्रेस कार्यसमिति (CWC) 22 अप्रैल, 2025 को जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए भयावह आतंकी हमले पर गहरा शोक और कड़ी निंदा व्यक्त की है। इस जघन्य हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की जान चली गई और 20 से अधिक गंभीर रूप से घायल हो गए। कांग्रेस कार्यसमिति शोकसंतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट की है और इस गहन पीड़ा की घड़ी में उनके साथ पूरी तरह से एकजुटता के साथ खड़ी है। यह कायराना और सुनियोजित आतंकी हमला, जिसकी साजिश पाकिस्तान द्वारा रची गई, हमारे गणराज्य के मूल्यों पर सीधा हमला है। हिंदू नागरिकों को जानबूझकर निशाना बनाना पूरे देश में भावनाएं भड़काने की एक सोची-समझी साज़िश थी। हम इस गंभीर उकसावे के बावजूद शांति बनाए रखने की अपील करते हैं और संकट की इस घड़ी में हमारी सामूहिक शक्ति को दोहराते हैं। कांग्रेस कार्यसमिति शांति की अपील करती है और सीमा-पार आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ता और एकता के साथ लड़ने के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दोहराती है।

कांग्रेस कार्यसमिति उन स्थानीय पोनिवालों और पर्यटक गाइडों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करती है, जिनमें से एक ने पर्यटकों की रक्षा करते हुए शहादत दी। उनका यह वीरतापूर्ण बलिदान उस भारत की मूल भावना को सजीव करता है, जहाँ निःस्वार्थ सेवा, मानवता और एकता सर्वोपरि हैं। राष्ट्र की सामूहिक इच्छाशक्ति को अभिव्यक्त करने के लिए, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 22 अप्रैल की रात को ही प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह किया था। यह बैठक आज के लिए निर्धारित की गई है।

यह ध्यान देने योग्य है कि पहलगाम एक अत्यंत सुरक्षित क्षेत्र माना जाता है, जहाँ त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू है। ऐसे में यह आवश्यक है कि इस केंद्रशासित प्रदेश- जो सीधे केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन है- में हुए इस हमले की पृष्ठभूमि में सुरक्षा तंत्र की कमियों और व्यवस्थागत चूकों की विस्तृत और निष्पक्ष जांच की जाए। इन सवालों को जनहित में उठाना जरूरी है, ताकि प्रभावित परिवारों को न्याय होता हुआ स्पष्ट रूप से नजर आ सके।

कांग्रेस कार्यसमिति यह भी नोट करती है कि अमरनाथ यात्रा शीघ्र ही प्रारंभ होने वाली है। देशभर से लाखों श्रद्धालु इस वार्षिक यात्रा में भाग लेते हैं और उनकी सुरक्षा को राष्ट्रीय

प्राथमिकता के रूप में देखा जाना चाहिए। इसके लिए ठोस, पारदर्शी और सक्रिय सुरक्षा उपाय तुरंत लागू किए जाने चाहिए। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर के उन लोगों की आजीविका की भी रक्षा की जानी चाहिए, जिनका जीवन पर्यटन पर निर्भर करता है- यह कार्य पूर्ण ईमानदारी और गंभीरता के साथ किया जाना चाहिए।

इस नरसंहार की जम्मू-कश्मीर के सभी राजनीतिक दलों और समाज के विभिन्न वर्गों द्वारा सर्वसम्मति से निंदा की गई है। किंतु यह अत्यंत चौंकाने वाली बात है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस गंभीर त्रासदी का दुरुपयोग अपने आधिकारिक और परोक्ष सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से और अधिक वैमनस्य, अविश्वास, ध्रुवीकरण और विभाजन फैलाने के लिए कर रही है- जबकि इस समय सबसे अधिक आवश्यकता एकता और एकजुटता की है।

संदिग्ध परिस्थितियों में गायब दो नाबालिक चचेरी बहने मिलीं दिल्ली से बरामद....

● सीसीटीवी की 100 से ज़्यादा फुटेज खंगाली, 36 घंटे में पुलिस ने खोज निकाला.....

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज/लखनऊ, मोहनलालगंज क्षेत्र के एक किसान की 17 वर्षीय बेटी और 15 वर्षीय भतीजी, जो मंगलवार सुबह सातबजे साइकल से इण्टर कॉलेज जा रही थीं, संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गयीं। देर शाम घर न लौटने पर परिजनों ने खोजबीन शुरू की तो उनकी साइकल पड़ोसी गाँव में लावारिस हालत में मिली। किसान की तहरीर पर मोहनलालगंज थाने में गुमशुदगी दर्ज कर पुलिस ने त्वरित तलाश शुरू कर दी। मोहनलालगंज कोतवाली इंस्पेक्टर डीके सिंह ने बताया करीब 36 घंटे में 100 से अधिक स्थानों के सीसीटीवी कैमरे खंगाले गये। फुटेज में दोनों बहनें चारबाग रेलवे स्टेशन पर नजर आयीं, जहां से उन्हें आगे की यात्रा करते देखा गया।बुधवार दोपहर एक लड़की ने किसी राहगीर का फोन उधार लेकर अपनी मौसी को कॉल किया। कॉल डिटेल से मिले नंबर की लोकेशन दिल्ली के शकरपुर इलाके में पाई गई। इसके बाद लखनऊ से रवाना हुई पुलिस टीम ने दिल्ली पुलिस की मदद से गुरुवार तड़के दोनों किशोरियों को सकुशल बरामद किया और दोपहर बाद मोहनलालगंज कोतवाली ले आई किशोरियों ने बताया पारिवारिक दवाब से परेशान होकर निकलीं कि वे पढ़ाई के अतिरिक्त दबाव और घर-परिवार की कुछ आपसी तकरार से व्यथित होकर "दो-एक दिन घूमने" की योजना बनाकर निकली थीं। किसी आपराधिक तत्व की भूमिका फिलहाल सामने नहीं आई है, परंतु किशोरियों का बयान मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज कराया जाएगा। किसान पिता ने कहा, "पुलिस की मुस्तैदी से मेरी बच्चियाँ सही-सलामत वापस आ गईं, इसके लिए हम आभारी हैं। अब हम घर के माहौल को बेहतर बनाने पर ध्यान देंगे।" किशोरियों का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया, रिपोर्ट सामान्य निकली बाल कल्याण समिति को सूचित कर परामर्श की व्यवस्था की गई।

सलाहुद्दीन हत्याकांड का पुलिस ने किया पर्दाफाश, दो अभियुक्त गिरफ्तार

● मृतक सलाउद्दीन की इंस्टाग्राम पर हुई थी महिला से दोस्ती

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। जोगिया कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम तुरकौलिया की सरहद में बुधवार की सुबह एक शव मिला था। जिसकी पहचान सलाहुद्दीन पुत्र साहबुद्दीन ग्राम गुलहरिया थाना खेसरहा के रुप मे हुई तथा उसके सम्बन्ध में थाना जोगिया उदयपुर पर मु0अ0सं0 58/2025 धारा 103(1)238(बी) बीएनएस बनाम समीम पुत्र मोहब्बत अली व अज्ञात के विरुद्ध पंजीकृत हुआ था । घटना के पर्दाफाश के लिए एसओजी/सर्विलांस व थाना जोगिया उदयपुर की एक विशेष पुलिस टीम का गठन हुआ था। गठित टीम को मुखबिर सूचना पर चौरासी से चोरवर जाने वाले मार्ग पर घटना में शामिल 2 अभियुक्तों को एसओजी प्रभारी जीवन त्रिपाठी व प्रभारी निरीक्षक अनूप कुमार मिश्रा तथा पुलिस टीम लोगों द्वारा पकड़ लिया गया ।पकड़े गए अभियुक्त धीरज पुत्र गंगाराम साकिन सियरापार थाना उसका बाजार जनपद सिद्धार्थनगर,सनी देवल पुत्र राम बेलास साकिन सियरापार थाना उसका बाजार जनपद सिद्धार्थनगर के निवासी है।पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त व अन्य लोगों से पूछताछ में यह तथ्य प्रकाश में आया कि मृतक सलाहुद्दीन का कुछ दिन पहले सियरापार की एक महिला लक्ष्मी से इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई थी जो महिला पहले से ही शादीशुदा थी। दोनों एक दूसरे से बातचीत करने व मिलने लगे थे घटना के दिन मृतक सलाहुद्दीन अपने ही गांव के एक मित्र समीम को लेकर अपनी महिला मित्र से मिलने बाइक से सियरापार आया था। सियरापार ग्राम के बाहर नदी तट बंधे के पास

सलाहुद्दीन अपनी महिला मित्र से मिलने लगा तथा उसका दोस्त बाइक लेकर कुछ दूर पर उसका इंतजार कर रहा था। तभी महिला के गांव सियरापार के ही धीरज ,सनी देओल और कुछ अन्य लोगों ने सलाउद्दीन को उस महिला के साथ देख लिए इसके बाद यह सभी लोग सलाउद्दीन को लाठी डंडे से मौके पर ही मारने पीटने लगे इस मारपीट के दौरान सलाहुद्दीन की मौके पर ही मृत्यु हो गई यह मारपीट देखकर सलाहुद्दीन का दोस्त समीम दूर से ही बाइक लेकर मौके से भाग गया था।

वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में बच्चों ने मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत कर बटोरी वाहवाही

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। चिल्हिया निकट गौहनिया चौराहा के पास स्थित सावित्री देवी पब्लिक स्कूल गौहनिया के परिसर में बुधवार को वार्षिकोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व ब्लाक प्रमुख कौशलेन्द्र त्रिपाठी ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। प्रधानाचार्य तुलसीकृत दुबे ने मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों का माल्यार्पण व बैंच लगाकर स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। विद्यालय की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस दौरान मुख्य अतिथि पूर्व ब्लाक प्रमुख कौशलेन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि सभी छात्र- छात्राएं शिक्षा की गुणवत्ता एवं शिक्षा के प्रति सदैव समर्पित होते हुए मन लगाकर पढ़ें। जिससे विद्यालय एवं क्षेत्र तथा अपने माता पिता के साथ जनपद का नाम रोशन करें। इस तरह के कार्यक्रम होने से बच्चों के अन्दर छुपी असीम प्रतिभाएं निकल कर बाहर आती है। उन्हें निखारने की जिम्मेदारी शिक्षक के ऊपर होती है। कार्यक्रम का संचालन उमेश प्रताप सिंह ने किया। प्रधानाचार्य ने आयें हुए अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।इस दौरान ,रवि सिंह, सूर्य प्रकाश पाण्डेय,धनंजय सिंह,अनिल कुमार चौधरी,रविन्द्र दूबे,अंजू मिश्रा,मोनू तिवारी,अरविन्द अग्रहरि, मोहम्मद मुख्तार आलम उर्फ चांद, शरदेंदु त्रिपाठी, रामानन्द पाण्डेय, संरक्षक उमेश प्रताप सिंह, प्रबंधक शम्भूनाथ दूबे, शिक्षक कृष्ण गोपाल पाठक, सपना दूबे, शालिनी सिंह, रंजना मिश्रा, निधि मिश्रा, सिद्धार्थ उपाध्याय, अरुण पाण्डेय,बालकेश गुप्ता, हरिशंकर मिश्र,प्रेमशंकर लाल श्रीवास्तव, आशीष मिश्रा, सीताराम दूबे,श्वेता गुप्ता अभिभावक प्रभात साहनी उत्तर प्रदेश पुलिस,मनोहर साहनी, रवि प्रकाश दूबे, परशुराम उपाध्याय,महात्म यादव, राजेन्द्र चौधरी, घनश्याम गुप्ता, दिलीप विश्वकर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

सिनेमा हॉलों चली ब्राहम्मण विरोधी फिल्म तो होगी तोड-फोड़

स्वतंत्र प्रभात

अलीगढ़। राष्ट्रीय सवर्ण परिषद नें एसपी सिटी कार्यालय पहुंच नाराजगी जताई ओर सीधे सीधे चेतावनी दे डाली कि अगर ब्राह्मण विरोधी फ़िल्म फूले अगर हरिगढ़ के किसी भी सिनेमा हॉल में चली तों उसकी टूट फुट व अन्य घटनाओ की जिम्मेदारी सीधे सीधे प्रशासन व सिनेमा हॉल मालिकों की होंगी। इस फ़िल्म व इसके मेकर अनुराग कश्यप के ब्राह्मण विरोधी वयान ब्राह्मण पर मुतुंगा किसी को दिक्कत को लेकर राष्ट्रीय सवर्ण परिषद पूर्व में ही रोरावार थाना हरिगढ़ को ज्ञापन दें चूका है, जिसपर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है । सनातनी मनीष लवानिया व अन्य लोगो नें कहा हमें समाज में एकता बनाये रखनी होंगी जातिवाद को छोडके अलग हटकर इस युद्ध का हिस्सा बनना होगा। इस मोके पर राष्ट्रीय सवर्ण परिषद परिवार से आचार्य भरत तिवारी (राष्ट्रीय संघठन मंत्री), सनातनी मनीष लवानिया, श्रीमती गौरी पाठक (प्रदेश अध्यक्ष महिला मोर्चा वेदप्रकाश शर्मा राष्ट्रीय महासचिव धनंजय पंडित सहसंयोजक बांके बिहारी जी महानगर अध्यक्ष राधे युवा उपाध्यक्ष मनोज कौशिक प्रदेश उपाध्यक्ष युवा पवन ठाकुर जिला उपाध्यक्ष विकास शर्मा

महानगर उपाध्यक्ष राकेश शर्मा महानगर मंत्री प्रमोद गॉड जिला अध्यक्ष हरिगढ़ अंकित जादौन शिव जादौन सत्येंद्र सिंह जादौन आचार्य रिंकू शर्मा व अन्य लोग मौजूद रहे।

अमेरिका और मोदी सरकार की डील पर जताया आक्रोश

स्वतंत्र प्रभात

अलीगढ़। संयुक्त श्रमिक किसान मोर्चा के अलीगढ़ जिलाध्यक्ष मोहम्मद रिजवान शाह के नेतृत्व में किसानों के देशव्यापी आह्वान पर अमेरिका और मोदी सरकार की डील के जरिए भारत की खेती को अमरीकी कम्पनियों के हवाले किए जाने,बीज, पोल्ट्री, दूध, डेयरी,गेहूं जैसे आदि कृषि क्षेत्रों पर अमेरिकी कब्ज़ा जैसे क्रम से संयुक्त श्रमिक किसान मोर्चा के किसानों में आक्रोश व्याप्त है। जिसके चलते आज़ किसानों के राष्ट्रीय आह्वान के समर्थन में डील का जिला कैम्प कार्यालय नगला पटवारी पर पुतला दहन किया गया है।

जिलाध्यक्ष मोहम्मद रिजवान शाह ने बताया कि अगर यह समझौता हुआ तो अमेरिका और मोदी सरकार की डील भारत की खेती को अमरीकी कम्पनियों के हवाले कर देंगी। बीज पोल्ट्री दूध डेयरी गेहूं और कई कृषि सेक्टर पर विदेशी कब्ज़ा हो जायेगा। किसान का खेत,बीज, मंडी, और मेहनत सब अमरीकी कम्पनियों की मुट्ठी में होगी, यदि इस डील को लागू कर दिया तो किसानों की बर्बादी सुनिश्चित है। पुतला दहन कर आक्रोश प्रकट किया है ,आगे गांव गांव से किसानों को जगाया जायेगा। इस अवसर युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष आसीफ खान, मुबीन खां, ब्लाक उपाध्यक्ष लोधा अभिषेक शर्मा,जाहिद, शाकिर, अशोक ठाकुर आदि सहित अन्य किसान नेताओं की मौजूदगी रही।

लसिथ मलिंगा के बड़े रिकॉर्ड पर जसप्रीत बुमराह की नजरें, टी20 क्रिकेट में 300 विकेट लेने वाले चौथे भारतीय बने

स्वतंत्र प्रभात

मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने बुधवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले के दौरान दिग्गज लसिथ मलिंगा के सबसे ज्यादा विकेट लेने के रिकॉर्ड की बराबरी की। हैदराबाद के स्टार बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन का विकेट लेने वाले बुमराह ने टी20 क्रिकेट में 300 विकेट के आंकड़े को भी छुआ। टी20 करियर में 300 विकेट लेने वाले जसप्रीत बुमराह चौथे गेंदबाज बन गए हैं। जसप्रीत बुमराह के अलावा अश्विन (315), भुवनेश्वर कुमार (318) और युजवेंद्र चहल (373) टी20 क्रिकेट में 300 से ज्यादा हासिल कर चुके हैं। बुमराह ने गुरुवार को राजीव गांदई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के दौरान ये उपलब्धि हासिल की। उन्होंने चार ओवर में 39 रन देकर हेनरिक क्लासेन का बड़ा विकेट लिया, जोकि 44 गेंद में 71 रन बनाकर आउट हुए।

आईपीएल 2025 में जसप्रीत बुमराह ने पांच मैचों में पांच विकेट लिए हैं। हैदराबाद के खिलाफ एक विकेट लेकर बुमराह ने मुंबई इंडियंस के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में लसिथ मलिंगा के रिकॉर्ड की बराबरी की। जसप्रीत बुमराह और लसिथ मलिंगा ने मुंबई के लिए 170 विकेट चटकाए हैं। मलिंगा का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए बुमराह को सिर्फ एक विकेट की दरकरार है। लसिथ मलिंगा इस समय मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाजी कोच हैं। इसके साथ ही बुमराह आईपीएल इतिहास में सयुंक्त रूप से आठवें सबसे ज्यादा विकेट

लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। मलिंगा ने 122 पारियों में 170 विकेट लेने का कारनामा किया था, जबकि बुमराह ने 138 पारी ली। मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद का सात विकेट से हराकर पॉइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर जगह बना ली है।